संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 92
पृष्ठ 8
शुक्रवार
20 दिसम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– दाल पानी पीने से बॉडी....

विचार– तानाशाही की ओर....

खेल– उसे अपमानित किया जा...

संसद परिसर में धक्का-मुक्की: राहुल गांधी के खिलाफ हत्या की कोशिश के तहत शिकायत, बांसुरी-अनुराग पहुंचे थे थाने

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद भवन परिसर में धक्कामुक्की मामले में राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने भाजपा के सांसद बांसुरी स्वराज और अनुराग ठाकुर संसद मार्ग थाने पहुंचे हैं। बाबासाहेब आंबेडकर से जुड़े मुद्दे पर विपक्ष और सत्तापक्ष के सांसदों ने गुरुवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। इस दौरान उनके बीच धक्का–मुक्की भी हुई। भाजपा का आरोप है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने धक्कामुक्की की, जिस वजह से उसके बुजुर्ग सांसद प्रताप सारंगी चोटिल हुए। सारंगी को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। दूसरी तरफ राहुल गांधी ने दावा किया कि भाजपा सांसदों ने उन्हें और अन्य विपक्षी सदस्यों को संसद भवन में जाने से रोका और धक्का–मुक्की की। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि हमने राहुल गांधी के खिलाफ दिल्ली पुलिस को शिकायत दी है। हमने शिकायत में घटना का जिक्र किया है। जो आज संसद परिसर में हुई। जहां एनडीए के सांसद शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे। हमने शिकायत में धारा 109, 115, 117, 125, 131, 117 और 351 का जिक्र किया है और साथ ही धारा 109 (हत्या की कोशिश) के तहत शिकायत दी है।

भाजपा ने बाबा साहब अंबेडकर का किया अपमान : केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर बाबा साहब अंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाया। केजरीवाल ने यहाँ मंदिर मार्ग स्थित भगवान बाल्मीकि मंदिर जाकर पूजा–अर्चना के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए कहा , "भाजपा ने बाबा साहब अंबेडकर का अपमान किया है इसलिए जो बाबा साहब से करे प्यार, वो भाजपा से करे इन्कार। मैं बाबा साहब को अपना आदर्श मानता हूं और उनका अपमान करने वाली भाजपा का हर स्तर पर विरोध करूंगा। अमित शाह ने बाबा साहब को लेकर जो कहा, वह बेहद पीड़ादायक है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उनका समर्थन करना बाबा साहब के प्रति भाजपा की भावनाओं को बताता है। बाबा साहब हमारे लिए भगवान हैं। हम उनका अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे। अब यह चुनने वक्त आ गया है कि बाबा साहब से प्यार करने वाला भाजपा से प्यार नहीं कर सकता।" उन्होंने कहा कि संसद इस देश की सबसे बड़ी पंचायत है। जहां पूरे देश के लोग जाकर बैठते हैं और देश की समस्याओं पर चर्चा करते हैं। मंगलवार की शाम संसद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बाबा साहब डॉ. अंबेडकर पर एक बयान दिया। उन्होंने कहा कि अंबेडकर–अंबेडकर कहना आजकल एक फैशन हो गया है, इतनी बार अगर भगवान का नाम लोगे तो सात जन्म तक स्वर्ग मिलेगा। यह शब्द अपने आप में बहुत पीड़ादायक थे। यह बाबा साहब अंबेडकर का अपमान करने वाले शब्द थे। जिस लहजे में अमित शाह ने यह कहा, ऐसे लग रहा था कि उनके अंदर बाबा साहब के प्रति भारी नफरत भरी पड़ी है। उनके लहजे से लग रहा था कि वो बाबा साहब अंबेडकर से कितनी नफरत करते हैं। केजरीवाल ने कहा , "बाबा साहब अंबेडकर आधुनिक भारत के भगवान से कम नहीं हैं। वह आधुनिक भारत के भगवान हैं। मुझे नहीं पता कि मरने के बाद स्वर्ग मिलता है या नहीं। लेकिन अगर बाबा साहब अंबेडकर नहीं होते और उन्होंने यह संविधान नहीं बनाया होता तो इस देश में वंचितों, पिछड़ों और दलितों का जीना मुश्किल हो जाता। उन्होंने हम लोगों को जीने का अधिकार दिया है।"

हम चले अलविदा----

डॉ०प्रदीप चित्रांशी

प्रयागराज। शहर के गलियारों में जब यह खब्बर छनती हुई आयी कि वयोवृद्ध रचनाकार, आलोचक हरि मोहन मालवीय जी नहीं रहे ,सुनकर भी कोई यकीन नहीं कर रहा था लेकिन अंत में सभी को सत्य स्वीकारना पड़ा और फिर साहित्य जगत में खुल गई उनके साहित्यिक यात्रा के संस्मरणों की पुस्तिका। कोई उनके अहियापुरी अंदाज पर बात कर रहा था कि स्थानीय अहियापुरी बोली उनके मुख से निकले शब्दों और उनकी भावभंगिमाओं में अपनी पूरी जीवन्तता के साथ साकार होती थी तो कोई उनके विश्वविद्यालय के दिनों की यादें ताजा कर रहा था कि 1958 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से उन्होंने हिन्दी साहित्य में एम.ए. तथा चित्रकला में डिप्लोमा किया था। यादों की यात्रा में उनके जीवन की किताब के पन्ने में अंकित कि उन्होंने ए. जी. ऑफिस से सेवानिवृत्त होने के बाद हिन्दी साहित्य सम्मेलन से जुड़ गए, बाद में यहाँ से साहित्य विभागाध्यक्ष पद से सेवानिवृत्त हुए।यहाँ से सेवानिवृत्त होने के बाद हिन्दुस्तानी एकेडेमी में सचिव और बाद में अध्यक्ष पद पर रहे तथा हिन्दी साहित्य सम्मेलन की शोध पत्रिका का संपादन सन् 1991 से 94 तक किया तथा हिन्दुस्तानी एकेडमी की साहित्यिक पत्रिका शहिन्दुस्तानी का नियमित प्रकाशन करवाया। हरि मोहन मालवीय जी के साहित्यिक जीवन पर आधारित साप्ताहिक समाचार–पत्र शशहर समताश का विशेषांक 19 अप्रैल 2018 को आया। इसके पीछे भी एक रोचक कथा है कि मालवीय जी का इन्टरव्यू छपना था लेकिन संपादक उमेश जी से वह कहीं खो गया जिसकी क्षतिपूर्ति करने के लिए उन्होंने मालवीय जी पर केन्द्रित विशेषांक निकाल दिया। विशेषांक के संपादकीय में आपने लिखा है कि वे मौलिक सर्जन खास नहीं थे लेकिन साहित्य के विविध सोपानों को समझने वाले हरिमोहन मालवीय जी ने भारतीय साहित्य, संस्कृति के मूल निधियों का बाखूबी संयोजन,संचालन और समृद्धि अवश्य की है। हरिमोहन मालवीय जी बहुत ही सरल थे।उनकी सरलता , वेशभूषा, चाल–चलन एवं सेवा के कार्य में परिलक्षित होती है । पद,प्रतिष्ठा, ज्ञान संहिता आदिक आगे–आगे चलता था क्योंकि प्रचार के नित बदलते नारों से अलग सरस्वती की शान्त,स्निग्ध धारा के प्रतिनिधि साहित्य के परिपूर्ण समर्पित सिपाही थे। उन्होंने राष्ट्रभाषा प्रसार समिति और संत मलूकदास स्मारक समिति की नींव रखी जबकि इसके पक्ष में गिनती के ही लोग इनके साथ थे। मालवीय जी का कहना था कि जीवन की ललित दृष्टि ही संस्कारित करके कलाओं और उपकरणों के माध्यम से संस्कृति का विस्तार करती है। जीवन और जगत का सम्यक परिष्कार और निखार ही संस्कृति है। अतएव श्री रामलीला मात्र नाटक नहीं, संस्कृति का महारास है।इसने भारतीय संगीत, कला,शिल्प और जीवन मूल्यों को परिष्कृत की है। रामलीला के आध्यात्मिक रहस्य को भेदन करने के लिए ही प्रतिवर्ष लीलाओं की आवृत्ति होती है।

सुशासन का प्रतीक माने जाते हैं अटल बिहारी वाजपेयी : सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन का प्रतीक माने जाते हैं। योगी ने कहा कि राजनीतिक अस्थिरता को स्थिरता में बदलना, सुशासन के लक्ष्यों को प्राप्त करना, देश के अंदर अंत्योदय योजना लाना, हर गरीब–वंचित को अधिकार दिलाना, अंत्योदय कार्ड–राशन उपलब्ध कराना, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना पेश करना, अनुसूचित जाति–जनजाति या पिछड़े वर्ग को उनके अधिकार दिलाना और स्वर्णिम चतुर्भुज, विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा व हाईवे अटल जी की देन है। एक बयान के मुताबिक, योगी ने बृहस्पतिवार को संगीत नाटक अकादमी में सुशासन सप्ताह का शुभारंभ किया। उन्होंने अटल के व्यक्तित्व पर लगाई गई प्रदर्शनी का शुभारंभ व अवलोकन किया। अटल के जन्मदिवस की 100वीं वर्षगांठ पर 25 दिसंबर तक सुशासन सप्ताह मनाया जाएगा। योगी ने कहा, भारत मां के महान सपूत, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का यह जन्म शताब्दी वर्ष है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से आज से पूरे देश में सुशासन सप्ताह का शुभारंभ हो रहा है। अटल की पैतृक जन्मभूमि उत्तर प्रदेश है। उन्होंने अपनी कर्मभूमि के रूप में भी उत्तर प्रदेश को ही चुना। उन्होंने कहा, अटल ने बलरामपुर और लखनऊ से कई बार संसद में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। विदेश मंत्री, प्रधानमंत्री के रूप में भी उन्होंने देश को सक्षम नेतृत्व प्रदान किया। अटल कवि, पत्रकार, साहित्यकार व राजनेता थे। वह सबको साथ लेकर चलने का सामर्थ्य रखते थे। उन्हें भारतीय राजनीति का अजातशत्रु कहा जाता था। योगी ने कहा, आज से हर जनपद में कार्यक्रम शुरू हुए हैं, जो सप्ताह भर (25 दिसंबर तक) चलेंगे। स्कूली बच्चों के लिए सुशासन पर निबंध लेखन, उच्च शिक्षा स्तर पर भाषण, पेंटिंग प्रतियोगिता, ग्रामीण क्षेत्र में संगोष्ठी का आयोजन हो रहा है। विजेताओं को 25 दिसंबर को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 25 दिसंबर की शाम को हर जनपद के स्कूल–कॉलेज में अटल की कविताओं पर आधारित काव्य संध्या भी होगी, जिसमें नवोदित कवि प्रस्तुति देंगे। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, संस्कृति व पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

अमित शाह को बचाने की साजिश

राहुल के बचाव में उतरीं प्रियंका, भाजपा सांसदों को दी यह चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सांसदों पर जमकर निशाना साधा। प्रियंका ने उन सांसदों को संसद भवन परिसर में श्जय भीमश का नारा लगाने की चुनौती दी, जो उनकी पार्टी पर बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगा रहे थे। उन्होंने कहा कि लोगों को यह भ्रम नहीं होना चाहिए कि भाजपा संविधान की रक्षा कर रही है, क्योंकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की भाषा उनके असली चेहरे को दिखाती है। यह सब अमित शाह को बचाने के लिए किया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा, हम रोज सुबह 10 से 11 बजे तक विरोध प्रदर्शन करते हैं, लेकिन अब तक कुछ नहीं हुआ। यह सब एक साजिश है। जो हमें रोक रहे थे, हमने उनसे कहा था कि जय भीम बोलकर दिखाएं। हमने कुछ नहीं कहा, बस अपने संविधान के लिए नारे लगाए। अगर इस देश के लोग सोचते हैं कि ये लोग संविधान की रक्षा कर रहे हैं, तो उन्हें भ्रम में नहीं रहना चाहिए, क्योंकि अमित शाह की भाषा ने उनकी असलियत को उजागर कर दिया। वह जय भीम भी नहीं कह सकते। मैं उन्हें चुनौती देती हूं कि यहां आकर जय भीम बोलकर दिखाएं। वायनाड सांसद प्रियंका ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बचाव में भी बयान दिया, जिन पर शारीरिक हमला करने का आरोप लग रहा है। प्रियंका ने कहा कि राहुल गांधी शांतिपूर्व संसद के अंदर जा रहे थे, जब भाजपा के सांसदों ने उन्हें रोका। उन्होंने कहा, राहुल (गांधी) बीआर आंबेडकर की तस्वीर लेकर और जय भीम का नारा लगाते हुए संसद के अंदर जा रहे थे। उन्हें संसद में जाने से किसने रोका? हम कई दिनों से विरोध कर रहे हैं और हमेशा उन लोगों के लिए जगह छोड़ी जाती है, जो अंदर और बाहर जा रहे होते हैं। उन्होंने आगे यह भी आरोप लगाया कि भाजपा के सांसदों ने कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे को भी धक्का दिया। उन्होंने कहा कि पूरी स्थिति एक साजिश थी, जिसका मकसद अमित शाह को बचाना था। प्रियंका ने कहा, आज पहली बार उन्होंने विरोध किया और सभी को रोकने के लिए धक्का–मुक्की की गई और हड़दंग किया गया। यह अमित शाह को बचाने के लिए एक साजिश थी। उन्होंने खरगे को धक्का दिया और वह मेरे सामने गिर गए। इसके बाद, एक माकपा सांसद को भी धक्का दिया गया और वह खरगे पर गिर गए। हमने देखा उन्हें चोट आई है। प्रियंका का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब भाजपा सांसद प्रताप चंद्र सारंगी ने आरोप लगाया है कि उन्हें राहुल गांधी ने धक्का दिया,

पूरे वर्ष संगम पर रहेंगी जरूरी सुविधाएं, सुरक्षा भी, एसडीएम एवं सीओ रहेंगे तैनात

प्रयागराज। कुंभ और माघ मेला ही नहीं संगम पर हमेशा रौनक रहेगी। यहां आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को सभी जरूरी सुविधाएं मिलेंगी। साथ में सुरक्षा भी रहेगी। इसके लिए हमेशा एसडीएम तथा सीओ की तैनाती की रहेगी। कुंभ और माघ मेला के अलावा अन्य दिनों में भी संगम स्नान के लिए बड़ी संख्या में लोग आते हैं। कुंभ–2019 के बाद दूसरे जिलों और प्रदेश से आने वालों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। महाकुंभ–2025 के बाद इसमें और इजाफा होने की उम्मीद है। इसे देखते हुए संगम को प्रमुख धार्मिक पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई है। इसी क्रम में बड़े हनुमान मंदिर के अलावा अक्षयवट कॉरिडोर का निर्माण हो चुका है। संगम और किला घाट पर जेटी लगाई जा रही है। अब यह जेटी वर्ष पर्यंत रहेगी। इससे श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को स्नान के संगम से जल लेना भी आसान होगा। एक निश्चित दूरी पर तीर्थ पुरोहितों के लिए चौकी होगी। मेलाधिकारी विजय किरन आनंद का कहना है कि चौकियों का निर्माण पुरोहितों की जरूरत तथा सुविधा को देखते हुए तैयार कराया जा रहा है। उनका कहना है कि महाकुंभ के बाद भी ये चौकियां यहीं रहेंगी। बारिश के दिनों में हटेंगी सुविधाएं, बाढ़ के बाद फिर बहाल हो जाएंगी संगम पर अब स्थायी तौर पर चेंजिंग रूम की भी व्यवस्था रहेगी। इसके अलावा बिजली, पेयजल, शौचालय आदि की भी सुविधा रहेगी। सिर्फ बारिश के दिनों में ये सुविधाएं हटाई जाएंगी। बाढ़ का पानी निकलने के बाद फिर से सभी सुविधाएं बहाल की जाएंगी। मेलाधिकारी का कहना है कि प्रयागराज मेला प्राधिकरण के तहत हर समय एसडीएम की तैनाती रहेगी, जो सभी तरह की सुविधाएं सुनिश्चित करेंगे। इसके अलावा संगम थाना भी होगा, जहां सीओ स्तर के अफसर की तैनाती रहेगी। बड़े हनुमान मंदिर कॉरिडोर के दूसरे चरण का काम भी जून में पूरा हो जाने के दावे किए जा रहे हैं। ऐसे में महाकुंभ के बाद भी मंदिर में आने वालों की संख्या में अप्रत्याशित भीड़ की उम्मीद की जा रही है। इसे देखते हुए मेला प्राधिकरण की ओर से पूरे साल मंदिर के पास सुविधाओं के साथ सुरक्षा इंतजाम के लिए शासन को लिखा गया है। इसके लिए फोर्स की मांग की गई है। संगमनगरी में स्टार मानक वाले होटलों की कमी नहीं रहेगी। महाकुंभ से पहले आधुनिक सुविधाओं वाले दो होटल तैयार हो गए हैं। ताज और रेडिशन की ओर से भी यहां होटल बनाने की तैयारी की गई है। इसके अलावा बारिश से पहले तक संगम क्षेत्र में टेंट सिटी भी स्थापित रहेगा।

क्रिकेट खेलकर घर लौट रहे बीएससी के छात्र को मारी गोली, हालत नाजुक

प्रयागराज। थरवई थाना क्षेत्र के आरा मशीन चौराहे के पास बुधवार शाम छात्र रंजीत सिंह पर आठ से दस लोगों ने ताबड़तोड़ हमला कर दिया। बमबाजी की और गोलियां बरसाईं। पेट में गोली लगने से रंजीत की हालत गंभीर है। एसआरएन अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। वारदात बुधवार शाम करीब 5रू15 बजे की है। शीतलपुर गांव निवासी रंजीत सिंह (22) बीएससी का छात्र है। उसने हाल ही में अपने गांव में क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित किया है। शाम को मैच खेलने के बाद घर लौट रहा था। आरा मशीन चौराहे के पास पल्सर समेत अन्य बाइक से आए आठ से दस हमलावरों ने उसे घेर लिया। गालीगलौज करने के बाद फायरिंग शुरू कर दी। गोली लगने से घायल रंजीत को पुलिस की मदद से एसआरएन में भर्ती करवाया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी है । रंजीत के बड़े भाई मंजीत सिंह ने बताया कि उनके गांव में प्रद्युन सिंह रहते हैं। इनके मकान को कब्जा करने को लेकर आए दिन कुछ दबंग से विवाद होता रहता है। रंजीत ने इसी का बीच–बचाव किया था। इसके बाद से ही वह लोग रंजिश रखने लगे। आए दिन फोन कर गालीगलौज करते थे। बुधवार को जब भाई मैच खेलने गया तो उक्त आरोपियों ने उस पर जान से मारने की नियत से फायरिंग कर दी। वहीं, एसीपी थरवई चंद्रपाल सिंह ने बताया कि फायरिंग की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। एसआरएन में पीड़ित पक्ष का बयान दर्ज किया जा रहा है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

एई भर्ती के आवेदन शुरू होते ही बढ़ी ओटीआर की संख्या, दो लाख तक आवेदन आने की उम्मीद

प्रयागराज। सहायक अभियंता भर्ती के लिए सम्मिलित राज्य अभियंत्रण सेवा परीक्षा–2024 के तहत ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू होते ही वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) की संख्या तेजी से बढ़ने लगी है। आवेदन शुरू होने के 24 घंटे के अंदर एक हजार नए अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की परीक्षाओं में शामिल होने के लिए 17 दिसंबर तक ओटीआर कराने वाले अभ्यर्थियों की संख्या 18 लाख 81 हजार थी। वहीं, बुधवार को यह संख्या बढ़कर 1882258 हो गई। आयोग की किसी भी परीक्षा में शामिल होने के लिए ओटीआर को अनिवार्य कर दिया गया है। ओटीआर नंबर प्राप्त किए बिना आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। अभ्यर्थियों को आवेदन करने से 72 घंटे पहले ओटीआर नंबर प्राप्त करना है। आवेदन में ओटीआर नंबर अंकित होने के बाद ही वह स्वीकार होगा। इससे पूर्व आयोग ने जब वर्ष 2021 में सहायक अभियंता भर्ती के लिए सम्मिलित राज्य अभियंत्रण सेवा परीक्षा का विज्ञापन जारी किया था, तब आयोग ने ओटीआर की व्यवस्था लागू नहीं की थी। ऐसे में यह भर्ती पहली बार ओटीआर व्यवस्था के तहत कराई जा रही है। आयोग ने वर्ष 2021 में सहायक अभियंता के 283 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था और तब 92787 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए थे। इस बार पदों की संख्या दोगुने से अधिक है। आयोग ने 604 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया है। ऐसे में आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की संख्या भी दो लाख या इससे ऊपर जाने की उम्मीद है। 17 दिसंबर से शुरू हुए आवेदन की अंतिम तिथि 17 जनवरी निर्धारित की गई है। ऐसे में अगले एक माह में ओटीआर की संख्या तेजी से बढ़ेगी। क्योंकि, आवेदन करने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी के लिए ओटीआर अनिवार्य है। बुधवार शाम तक 1882258 अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया, जिनमें से एक हजार अभ्यर्थी नए हैं। अगर एक से डेढ़ लाख नए ओटीआर होते हैं तो आयोग से ओटीआर के माध्यम से जुड़ने वाले अभ्यर्थियों की संख्या 20 लाख तक पहुंच सकती है।

जिल में 11 माह में मिले 19487 टीबी के मरीज

प्रयागराज। देश को 2025 तक टीबी मुक्त करने के लिए राष्ट्रीय अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत जिले में टीबी मरीजों को घर–घर खोजने और उनके जांच व इलाज के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिला क्षय रोग के आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष जनवरी से नवंबर तक 19487 मरीजों की पहचान हो चुकी है। इसमें 10819 सरकारी और 8618 प्राइवेट अस्पताल के मरीज हैं। इमसें 526 एडीआर के मरीज हैं। जबकि 2023 की अपेक्षा टीबी के मरीजों की संख्या 10 से 15 फीसदी ज्यादा है। इसमें 15337 टीबी मरीजों को लगभग तीन करोड़ 85 लाख, 35 हजार रुपये का भुगतान भी पोषण के तहत किया गया। जिला क्षय रोग विभाग के अनुसार जिले में मिल रहे टीबी मरीजों में यमुनापार के कोरांव, शंकरगढ़, मेजा व मांडा में सर्वाधिक मरीज हैं।

फुटपाथी दुकानदारों की शिकायत पर समन्वय समिति बनी

प्रयागराज। पटरी दुकानदारों की मांग पर नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग ने समन्वय समिति का गठन किया। समिति में अपर नगर आयुक्त अरविंद कुमार राय और फुटपाथ व्यापार एकता समिति के संरक्षक विजय गुप्ता को शामिल किया गया है। समिति ने कटरा और सिविल लाइंस में दुकानों के लिए जगह पर चर्चा की। चर्चा के दौरान समिति के प्रमिल केसरवानी, विकास अग्रहरि, विमल गुप्ता, लीलावती पांडेय, अभिलाष केसरवानी, कुलदीप चौरसिया, गणेश, हेमंत बनर्जी आदि मौजूद रहे।

मेलाधिकारी ने महाकुंभ की सुस्त बसावट पर शासन को भेजी चिंताजनक रिपोर्ट, पांच एक्सईएन को चेतावनी

प्रयागराज। महाकुंभ के प्रथम स्नान पर्व में महज 25 दिन शेष हैं और अभी तक पांटून पुल बन सके और न ही सड़कें। लगातार निर्देशों के बावजूद काम में रफ्तार नहीं आने के बाद मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने पीडब्ल्यूडी के पांच अधिशासी अभियंताओं के खिलाफ शासन को रिपोर्ट भेजी है। इन्हें 20 दिसंबर तक काम पूरा करने या फिर कार्रवाई के लिए तैयार रहने को कहा है। मेलाधिकारी ने प्रमुख नगर विकास अमृत अभिजात और प्रमुख सचिव पीडब्ल्यूडी अजय चौहान को भी इसकी जानकारी दी है। कहा है कि पांटून पुलों और चकर्ड प्लेट सड़कों का निर्माण अत्यंत धीमा होने से साधु–संतों में रोष व्याप्त हो रहा है। इससे मेला प्राधिकरण की छवि धूमिल हो रही है। पीडब्ल्यूडी के निर्माण खंड तीन, चार, पांच, छह और प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंताओं को लिखी चिट्ठी में मेलाधिकारी ने कहा है कि पीडब्ल्यूडी का काम अत्यंत धीमा होने से मेले की बसावट प्रभावित हो रही है। इससे प्रयागराज मेला प्राधिकरण की छवि धूमिल हो रही है। यह अत्यंत खेदजनक है कि मेले के महत्वपूर्ण मार्ग यानी संगम लोवर, हर्षवर्धन, मुक्ति मार्ग, अन्नपूर्णा मार्ग, शंकराचार्य मार्ग और तुलसी मार्ग पर काम अत्यंत कम हुआ है। इसके अलावा त्रिवेणी, काली, महावीर, अक्षयवट, मोरी, ओल्ड जीटी, नागवासुकि, हरिश्चंद्र, भरद्वाज, अनंत माधव, बजरंग दास, कैलाशपुरी और संकटमोचन मार्गों पर काम भी या तो धीमा है या जहां हुआ भी है तो गुणवत्तापूर्ण नहीं है। इन मार्गों पर बिना क्लैंपिंग के चकर्ड प्लेट फेंक देना भी आम बात है। यह स्थिति कतई स्वीकार्य नहीं है। महाकुंभ–2025 में बनाए जाने वाले 30 पांटून पुलों में से अब तक सिर्फ पांच पुल ही बन पाए हैं, जो लापरवाही और गैर जिम्मेदाराना रवैये को परिलक्षित करता है। कई बार बैठकों में उल्लेख करने के बाद भी स्थिति में कोई सुधार नहीं है। मेलाधिकारी ने पीडब्ल्यूडी के अभियंताओं को चेताया है कि 20 दिसंबर तक प्रमुख मार्गों और पांटून पुलों का निर्माण पूरा करें, अन्यथा मेले की बसावट पर प्रतिकूल प्रभाव डालने जैसी लापरवाही के लिए जिम्मेदार मानते हुए कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए शासन से संस्तुति की जाएगी।

टिफिन में नॉनवेज लाने वाले बच्चों को हाईकोर्ट से राहत, छात्रों का एडमिशन दूसरे स्कूल में कराने का आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कक्षा तीन के छात्र को टिफिन में नॉनवेज लाने पर स्कूल से निकाले जाने के मामले में बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने डीएम को आदेश जारी किया है कि वह बच्चे का एडमिशन किसी दूसरे स्कूल में कराना सुनिश्चित करें। मामला अमरोहा जिले का है। स्कूल की टिफिन में नॉनवेज लाने पर स्कूल प्रबंधन ने कक्षा तीन के छात्र को स्कूल से निष्कासित कर दिया था। इस मामले को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति एससी शर्मा की खंडपीठ ने की। साबरा और उनके तीन बच्चों की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने दो जिलाधिकारी को निर्देश जारी किया कि वह दो सप्ताह के अंदर तीनों बच्चों का एडमिशन केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्ध किसी दूसरे स्कूल में कराना सुनिश्चित करें। साथ ही अनुपालन हलफनामा भी प्रस्तुत करें। यह तीनों बच्चे क्लास केजी, एक और तीन के छात्र हैं। स्कूल के टिफिन में मांसाहार लाने के कारण तीनों को स्कूल से निकाल दिया गया था। टिफिन में बिरयानी लेकर आए थे बच्चे कक्षा तीन में पढ़ने वाले एक छात्र और उसके दो अन्य भाई–बहनों को टिफिन में बिरयानी देकर स्कूल भेजा गया था। इसकी जानकारी होने पर विद्यालय प्रशासन ने कड़ी आपत्ति जाहिर की थी। इसके बाद इन बच्चों को स्कूल से निकाल दिया गया था। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि यह बच्चे कक्षा केजी, एक और तीन में पढ़ रहे थे। विद्यालय के इस निर्णय से उनकी शिक्षा का अधिकार प्रभावित हुआ है जो कि हर बच्चे का मौलिक अधिकार है। दूसरे स्कूल में एडमिशन कराने का आदेश मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट की खंडपीठ ने जिलाधिकारी को दो सप्ताह के भीतर तीनों बच्चों का एडमिशन सीबीएसई से संबद्ध दूसरे स्कूल में कराने का आदेश जारी किया। इस मामले की अगली सुनवाई छह जनवरी को होगी। कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि अगर जिलाधिकारी अमरोहा ने इस संबंध में कोई हलफाना नहीं दाखिल किया तो अगली सुनवाई के दौरान उन्हें व्यक्तिगत तौर पर कोर्ट से समक्ष पेश होना होगा।

प्रयाग की रक्षा के बाद नागाओं ने महाकुंभ में किया था नगर प्रवेश, स्वागत में उमड़ पड़ा था शहर

प्रयागराज। महाकुंभ में अखाड़ों के नगर प्रवेश की परंपरा नागा संन्यासियों के सदियों पुराने पराक्रम की गौरव गाथा से जुड़ी है। दशनामी नागाओं ने अफगानी आक्रांताओं से प्रयाग की रक्षा की थी। उनके स्वागत में ढोल–नगाड़ों के साथ पूरा शहर उमड़ पड़ा था। उसी शौर्य को यादगार बनाने के लिए अखाड़े नगर प्रवेश करते आ रहे हैं। प्रयागराज पर अफगानी आक्रांताओं से नागाओं के युद्ध से जुड़ी यह घटना 17वीं शताब्दी के बाद की है। इसका उल्लेख श्रीमहंत लालपुरी ने अपनी पुस्तक दशनाम नागा संन्यासी में किया है। यह युद्ध दशनामी परंपरा के नागा योद्धा राजेंद्र गिरि के नेतृत्व में लड़ा गया था। महंत लालपुरी लिखते हैं कि राजेंद्र गिरि उस समय झांसी से 32 मील दूर मोठ नामक स्थान पर नागाओं को संगठित किया था। उन्होंने 114 गांवों पर अपना अधिकार कर दुर्ग का निर्माण भी करा लिया था। उनकी लगातार बढ़ी ताकत से अफगानी और बंगश रोहिले चिंतित थे। उस दौरान प्रयाग में अफगानों के अत्याचार और क्रूर हमले बढ़ गए थे। लालपुरी ने अपनी पुस्तक के 15वें अध्याय अखाड़े के नागा संन्यासी एवं युद्ध में इस घटना का वर्णन किया है। लिखा है.. तब प्रयाग में अफगानों के अत्याचार से जनता त्रस्त थी। दिनदहाड़े लूटमार सामान्य बात थी। आत्मसम्मान बचाना तक मुश्किल था। बहन, बेटियां तक सुरक्षित नहीं रह गईं थीं। लोग पलायन को विवश थे। पुस्तक के मुताबिक, मुगलों के शाही तख्त पर अहमदशाह बैठा था। उसने अवध के नवाब सफदरजंग को अपना नवाब बना लिया। इससे अफगान उसके विरोधी हो गए। अफगानों ने फर्रुखाबाद के निकट राम चौतनी नामक स्थान पर सफदरजंग को शिकस्त देकर प्रयाग नगर को घेर लिया। उस समय प्रयाग के दुर्ग रक्षक अल्प संख्या में होने के कारण नगर की रक्षा करने में असमर्थ साबित हो रहे थे। इससे जनता में हाहाकार मच गया। यह पता लगने पर राजेंद्र गिरि ने नागा संन्यासियों की विशाल वाहिनी लेकर अफगानों की घेराबंदी की और लोगों को उनके अत्याचार से मुक्त कराया। इतिहासकार सर यदुनाथ सरकार ने राजेंद्र गिरि के शिष्य उमराव गिरि और अनूप गिरि के पराक्रम का जिक्र दशनाम नागा संन्यासियों का इतिहास नामक अपनी पुस्तक में किया है। महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव महंत रवींद्र पुरी बताते हैं कि नगर प्रवेश की परंपरा नागा संन्यासियों के शौर्य और पराक्रम से जुड़ी है। अफगानियों से प्रयाग की रक्षा के बाद नागाओं ने बाजेगाजे के साथ नगर प्रवेश किया था।

शहर में चल रहा जागरुकता अभियान, कूड़ा केंद्र पश्चलीथीन से पटा

प्रयागराज। महाकुम्भ के दौरान सिंगल यूज पॉलीथीन का उपयोग बंद करने के लिए वृहद स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पॉलीथीन मुक्त महाकुम्भ का आह्वान किया। इसके बाद भी शहर में सिंगल यूज पॉलीथीन का उपयोग कम नहीं हुआ है। नगर निगम की ओर से संचालित एमआरएफ (मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) सेंट में देखने को मिली। नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग गत दिवस छावनी क्षेत्र के सदर बाजार स्थित एमआरएफ सेंटर का औचक निरीक्षण करने गए। नगर आयुक्त पहुंचे तो सेंटर कूड़े के साथ पॉलीथीन से पटा था। सेंटर के खाली स्थान पर सिंगल यूज पॉलीथीन बिखरी थी। कूड़े से पॉलीथीन अलग करने का काम नहीं हो रहा था। सेंटर का यह हालत देख नगर आयुक्त भड़क गए। निरीक्षण में साथ गए पर्यावरण अभियंता उत्तम कुमार वर्मा से नगर आयुक्त ने पूछताछ की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार नगर आयुक्त ने फटकार लगाते हुए कहा कि सेंटर नहीं चला सकते तो इसे बंद कर दें। इतनी बड़ी मात्रा में पॉलीथीन मिलने पर भी पूछताछ की। नगर आयुक्त के जाने के बाद सेंटर पर कूड़ा से पॉलीथीन अलग करने और और मार्ग को दुरुस्त करने का काम शुरू हो गया।

महाकुंभ में प्रयागराज जंक्शन संग नैनी और छिवकी में भी लागू होगा कलर कोड, ताकि न भटकें यात्री

प्रयागराज। महाकुंभ में प्रयागराज जंक्शन के साथ इस बार नैनी और प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन पर भी कलर कोडिंग की व्यवस्था रहेगी। ताकि यात्री स्टेशन पर आकर भटके नहीं। कलर कोड के हिसाब से वह सीधे उसी प्लेटफॉर्म पर पहुंचेंगे जहां से उन्हें गंतव्य की ट्रेन मिल सके। इन स्टेशनों पर

अलग–अलग रंग के यात्री आश्रय स्थल भी बनाए गए हैं। खास बात यह है कि जिस रंग का टिकट होगा उस रंग के लिए एक दिशा तय होगी। संबंधित रंग का टिकट लेकर ही स्नान पर्व पर यात्रियों का आश्रय स्थल पर प्रवेश होगा। अगर किसी यात्री को प्रयागराज जंक्शन से कानपुर की ओर सफर करना है तो उसे जंक्शन के यात्री आश्रय स्थल चार से प्रवेश मिलेगा। उस आश्रय स्थल को हरा रंग दिया गया है। यात्री जनरल टिकट भी लेंगे तो वह भी हरे रंग का होगा। बताया जा रहा है कि महाकुंभ अवधि में 26 दिन यात्रियों को कलर कोड वाले टिकट दिए जाएंगे। कलर कोडिंग की व्यवस्था मुख्य स्नान पर्व पर दो दिन पूर्व से लेकर दो दिन बाद तक रहेगी। इस दौरान प्रयागराज जंक्शन पर आरक्षित टिकट वाले यात्रियों को गेट संख्या पांच से प्रवेश दिया जाएगा। प्रयाग, प्रयागराज संगम एवं झूंसी स्टेशन पर भी कलर कोड का निर्धारण किया जा रहा है। यात्री आश्रय स्थलों पर खानपान के स्टॉल, उद्घोषणा और पूछताछ काउंटर, प्राथमिक चिकित्सा, पेयजल व सार्वजनिक शौचालय आदि की सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

तंबुओं की नगरी के बीच बनेगी तीन सौ बेड वाली डीलक्स डॉर्मेटरी, गंगा किनारे मिलेगा सुखद अनुभव

प्रयागराज। तंबुओं की नगरी में टेंट सिटी के बीच नए विस्तार की तैयारी है। महाकुंभ में डुबकी लगाने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं– पर्यटकों के लिए टेंट सिटी में तीन सौ बेड वाली डीलक्स डार्मेटरी बनाई जाएगी। उत्तर प्रदेश पर्यटन विकास निगम की ओर से इस पर काम शुरू कर दिया गया है।

इस डॉर्मेटरी में कुल 50 डीलक्स कॉटेज की स्थापना होगी। टेंट सिटी इस डीलक्स डॉर्मेटरी का निर्माण विदेशी पर्यटकों, विशिष्ट अतिथियों को ध्यान में रखकर कराया जाना है। इसके लिए यूपीएसटीडीसी की ओर से नए यमुना ब्रिज के पास डीलक्स डॉर्मेटरी की स्थापना की जाएगी। इसमें प्रत्येक कॉटेज का एरिया 250 स्क्वायर फीट से लेकर 400 स्क्वायर फीट तक होगा। इन डॉर्मेटरी को यूपीएसटीडीसी की ओर से अरैल में स्थापित विला और सुपर डीलक्स टेंट सिटी के हिसाब से ही संचालित किया जाएगा। इन टेंट में ठहरने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं के समूहों को एक साथ वर्ल्ड क्लास सुविधाएं मिल सकेंगी। इस डीलक्स कॉटेज में एसी, डबल बेड, मैट्रेस, सोफा सेट, कस्टमाइज्ड इंटीरियर्स, राइटिंग डेस्क, इलेक्ट्रिक गीजर, फायर एक्सटिंगुइशर्स, रजाई, ब्लैंकेट, मॉस्किटो नेट, वाईफाई, डाइनिंग एरिया व कॉमन सिटिंग एरिया, वेटिंग लाउंज व मीटिंग लाउंज जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी, ताकि यहां ठहरने वाले पर्यटक गंगा किनारे सुखद आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त कर सकें। वहीं, यूपीएसटीडीसी की ओर से इस कॉटेज को उपलब्ध कराने के अलावा पर्यटकों को संगम बोट राइड, सोफा बोट राइड, बनाना बोट राइड, क्रूज राइड के अलावा संगम पर पूजन और धार्मिक–पौराणिक महत्व के तीर्थों के दर्शन के भी पैकेज दिए जाएंगे। भोजन में यहां अतिथियों को टोस्ट, दूध–कॉर्नफ्लेक्स, मीठी दही, स्प्राउट्स, ताजे कटे फल, हॉट चॉकलेट शेक, पूड़ी–सब्जी, साउथ इंडियन खाना व कई प्रकार के पराठे, दाल व सब्जी तथा ग्रीन टी, मसाला चाय, सामान्य चाय व कॉफी जैसे पेय पदार्थों का भी स्वाद मिलेगा।

शीत ऋतु की बीमारियों और निदान पर की चर्चा

प्रयागराज। आयुष मिशन के तहत आइडियल होम्योपैथिक वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन और झंडू इमामी की ओर से बुधवार को सिविल लाइंस स्थित एक होटल में संगोष्ठी आयोजित की गयी। इस मौके पर वक्ताओं ने शीत ऋतु की बीमारियों और उसके निदान पर विचार व्यक्त किए।

डॉ. अखिल निगम ने जोड़ों का दर्द, गठिया, सर्दी खांसी और बुखार से बचाव की जानकारी दी। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ.भंवर सिंह ने महाकुम्भ में चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाने की रूपरेखा तय की गयी। डॉ. राजेश श्रीवास्तव, डॉ. कपूर केसरवानी, डॉ. सुनील पटेल, डॉ. पुष्पेंद्र शर्मा, डॉ. अंकित जायसवाल, डॉ. भगवान केसरी, डॉ. अशोक गुप्ता, डॉ. संजय सिंह, डॉ. देवेश, विनोद कुमार, शशांक पांडेय, अखिलेश कुमार मिश्र, मनीष तिवारी मौजूद रहे।

'मान्धाता के प्राथमिक विद्यालयो का डायट प्रशिछुओ द्वारा निपुण लक्ष्य ऐप पर किया गया एसेसमेंट /परीक्षण'

'शिक्षक ही समाज की दशा एवं दिशा करता है तय तथा अपनी कर्तव्यनिष्ठा से बनायेगा भारत को विश्वगुरु'--- 'प्रभाकर यादव'

प्रयागराज । निपुण मिशन के अंतर्गत महानिदेशक स्कूल शिक्षा लखनऊ के आदेशानुसार पूरे प्रदेश मे कक्षा एक व दो के छात्रों की शिक्षा गुणवत्ता के परीक्षण हेतु डायट के प्रशिछुओ द्वारा किया जा रहा है उसी क्रम में उप शिक्षा निदेशक ध डायट प्राचार्य के निर्देश पर डायट की प्रशिक्षुओं द्वारा प्रतापगढ़ मे भी निपुण लक्ष्य ऐप पर एसेसमेंट का कार्य आज दूसरे दिन भी तीन टीम बनाकर छाःप्रशिक्षुओ कु साक्षी मौर्या. पूनम यादव. उत्कर्षनी. पूजा पाल मध I. मधुबाला द्वारा प्राथमिक विद्यालय हर्षपुर प्राथमिक विद्यालय सरायमुरार सिंह, प्राथमिक विद्यालय खजोहरी, प्राथमिक विद्यालय घाटमपुर. प्राथमिक विद्यालय पर्वत पुर, प्राथमिक विद्यालय खुर्दहा वि क्षे मान्धाता क प्रा वि विश्वनाथगंज के छात्र ध्छात्राओं का मोबाइल से निपुण ऐप पर एक एक छात्रों का एसेसमेंट ध परीक्षण किया सभी बच्चे सहित सभी विद्यालय निपुण पाये गये प्रशिछुओ के निष्पक्षता तथा कर्तव्य निष्ठा से प्रभावित होकर खण्ड शिक्षा अधिकारी मान्धाता प्रभाकर यादव प्रशिछुओ का उत्साहवर्धन और प्रोत्साहित किया साथ ही निपुण विद्यालयों के सभी शिक्षकों के कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि शिक्षक ही समाज की दशा और दिशा तय करते है सरकार द्वारा निर्धारित समय के अन्दर ही पूरे विकास क्षेत्र को निपुण ब्लाक बनाने का लक्ष्य पूरा कर देश और प्रदेश मे विकास क्षेत्र मान बढाने में सफल होगे साथ ही भारत को विश्व गुरु बनाने का मार्ग प्रशस्त करगे एसेसमेंट ध्परीक्षण के दौरान डायट के प्रवक्ता जितेन्द्र कुमार यादव भ्रमण के दौरान निपुण विद्यालयो के शिक्षकों को मिष्ठान खिलाकर उत्साहवर्धन किया और कहा कि डायट पर सभी निपुण विद्यालयो के शिक्षकों और ए आर पी को सामूहिक रूप से सम्मानित कर प्रशस्ति पत्र डायट प्राचार्य ध उपनिदेशक द्वारा दिया जायेगा एस आर जी आशुतोष निर्मल राजेश प्रताप सिंह ए.आर.पी रिजवान ए आर पी वीरेन्द्र कुमार ए आर पी सत्यजीत सिंह ए.आर. पी कौशल प्रताप सिंह ए.आर.पी और विभाग के अधिकारी भी भ्रमण पर रहे।

सीएमपी महाविद्यालय में पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

प्रयागराज । सीएमपी महाविद्यालय के अनुशासनाधिकारी कार्यालय की ओर से आज श्श्पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की

गई जिसमें करीब 20 छात्रों ने प्रतिभागिता की द्य जिसमें प्रथम पुरस्कार लवली चौरसिया ने प्राप्त किया, द्वितीय स्थान पर रिया निषाद एवं निधि कुमारी रहीं, जबकि तृतीय स्थान को अर्चिता एवं सृजल ने अलंकृत किया। कार्यक्रम का संचालन हेमलता पंत और प्रिया सोनी खरे ने किया द्य इस अवसर पर महाविद्यालय के उपप्राचार्या प्रोफेसर नीता सिन्हा,अनुशासनाधिकारी प्रोफेसर अर्चना त्रिपाठी और प्रोफेसर दीना नाथ उपस्थिति थे द्य निर्णायक मंडल में उपप्राचार्या प्रोफेसर नीता सिन्हा, डॉ शशिबाला और डॉ भास्कर ने पोस्टर प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका अदा की। प्रतियोगिता में अनुशासन मंडल के सभी सदस्य उपस्थित रहे ।

यूपी विधानसभा सत्रः गृहमंत्री अमित शाह के बयान पर सपाइयों ने किया जमकर हंगामा

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानमंडल शीतकालीन सत्र का आज चौथा दिन है। सदन की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई। कार्यवाही शुरू होते ही समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। सपा नेताओं ने गृहमंत्री अमित शाह के संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर पर दिए गए बयान पर जमकर हंगामा किया और नारेबाजी की। सपा सदस्य विधानसभा में डॉ. आंबेडकर की फोटो लेकर पहुंचे और जमकर नारेबाजी की। बता दें कि तमाम सपा विध ायक हाथ में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की तस्वीरों और स्लोगन वाली तख्तियां लिए नजर आए। बाबा साहेब के अपमान को लेकर आज सदन में बड़ा हंगामा हो सकता है। इससे पूर्व सपा की महत्वपूर्ण बैठक भी हुई। शिवपाल यादव और नेता सदन माता प्रसाद पांडे एक साथ सपा कार्यालय से बाहर निकले। सपा ने सदन में जमकर हंगामा और नारबाजी की हंगामे को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने अन्य सदस्यों से प्रश्न पूछने की अपील की लेकिन किसी ने भी सवाल नहीं पूछा। इस दौरान सदन की कार्यवाही हंगामे के बीच होती रही थी। सपा सदस्य जय भीम और बाबा साहेब का ये अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान के नारे लगा रहे हैं। वहीं, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि लोकतंत्र में हर किसी को विरोध प्रदर्शन करने और अपनी बात कहने का पूरा अधिकार है ।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिवल जज (क.श्रे.) शर्की इलाहाबाद द्वारा निकाली गई उद्घोषणा

उत्तराधिकार वाद संख्या - 970 **सन 2024**

रामधन यादव उम्र लगभग 38 वर्ष पुत्र स्व. देवता दीन यादव निवासी ग्राम राजापुर चौबारा (झवनी का पुरा) मुकुन्दपुर तहसील सोरांव जनपद प्रयागराज

बनाम

1. तेज बहादुर उम्र लगभग 42 वर्ष, **2. राम सूरत** उम्र लगभग 28 वर्ष ,पुत्रगण स्व. देवता दीन , **3. अंजीला यादव** उम्र लगभग 25 वर्ष पुत्री स्व. देवता दीन ,समस्त निवासीगण ग्राम राजापुर चौबारा (झवनी का पुरा) मुकुन्दपुर तहसील सोरांव जनपद प्रयागराज

अपने... मृत... को देय ऋण व प्रतिभूतियों वसूल करने के लिए प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिए सन **1889 ईस्वी के अधिनियम 7 के अधीन 372 भा. उ. अ. का आवेदन उत्तराधिकार प्रमाणपत्र के लिए का आवेदन के लिए ।**

चूंकि वादी ने प्रमाणपत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और **सन् 2025 के 01 का 13 दिवस** आवेदन की सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकली जाती है कि जिस किसी को उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अधिवक्ता द्वारा **10. बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिवल जज (क.श्रे.) शर्की प्रयागराज** मे नियत दिनांक पर उपसंजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक में अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध यथोचित आदेश पारित होगा।

नियत तिथि - **13/01/2025**

न्यायाधीश

'उत्तर पूर्वांचल लोक कल्याण समिति का 18 फरवरी को होने वाले सामूहिक विवाह संस्कार को लेकर सभा आयोजन'

विश्वनाथ,(असम) ।– विश्वनाथ पौरसभा सभागृह में ष्उत्तर पूर्वांचल लोक कल्याण समिति के बिश्वनाथ जिला के सौजन्य में सामूहिक विवाह के संबंध में कल एक स्वागत समिति का गठन किया गया। जानकारी के अनुसार आगामी नई वर्ष व सन् 2025 के 18 फरवरी तारीख में उक्त समिति द्वारा जनता के सहयोग से विश्वनाथ के साधारू लक्ष्मी पूजा प्रांगण में एक सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए सामूहिक विवाह समारोह का पूर्णांग स्वागत समिति गठित करके उत्तर पूर्वांचल लोक कल्याण समिति के बिश्वनाथ जिला समिति के अध्यक्ष रूप में क्रमशः भास्कर हाजरिका ,सोमराम भगत और उपाध्यक्ष के रूप में अमरज्योति बरठाकुर, सचिव के रूप में दिगंत बरठाकुर, सहायक सचिव प्रांजल बसुमतारी, सहायक सचिव भारती भुइयां, कोषाध्यक्ष परी बरठाकुर , पंजीयन भास्कर वैश्य और नवजीत राजबंशी, अमन ताती, ईशान प्रतिम शेखिया और सुरेन कुटुम आदि को सदस्य निर्वाचित किया गया ।यह विवाह समारोह उत्तर पूर्वी क्षेत्र लोक कल्याण समिति बिश्वनाथ में उन युवाओं को विवाह संस्कार प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया जाएगा जो वित्तीय और विभिन्न समस्याओं के कारण शादी करने की इच्छा के बावजूद सार्वजनिक रूप से शादी करने में असमर्थ थे। उत्तर पूर्वांचल लोक कल्याण समिति के विश्वनाथ जिला में नवगठित स्वागत समिति द्वारा सामूहिक विवाह संस्कार संपन्न होगा। विवाह समारोह उत्तर पूर्वी लोक कल्याण समिति की बिश्वनाथ जिला समिति द्वारा वैदिक, विधिपाठ, कच्चा सूत जलाना, भक्ति आदि विभिन्न तरीकों से आयोजित किया जाएगा। अतः आयोजन समिति सभी लोगों से सहयोग का करबद्ध अनुरोध करती है। बैठक में पूर्वोत्तर जन कल्याण समिति के सामूहिक विवाह प्रभारी युगेश शास्त्री, संस्कृत पंडित लोकनाथ शास्त्री समेत विश्वनाथ के कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

विधानसभा घेराव के दौरान नौजवान कार्यकर्ता की मौत जांच का विषय : आराधना मिश्रा मोना

लखनऊ, संवाददाता। यूपी कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा मोना ने कांग्रेस के विधानसभा घेराव के दौरान पुलिस की कार्रवाई और बाबा साहब भीम राव अंबेडकर पर अमित शाह के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस के विधानसभा घेराव के दौरान पार्टी कार्यकर्ता की हुई मौत पर आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि यह असंवेदनशीलता का मामला है। एक नौजवान बच्चे की मौत पुलिस की कार्रवाई के दौरान हुई। बुधवार को जिस तरह से पुलिस ने बैरिकेड और बल का प्रयोग किया और कार्यकर्ताओं को रोका, उसी दौरान वह बच्चा पुलिस की कार्रवाई के बीच फंस गया और घटना घटी, तो हमारे कार्यकर्ता जहां उसे मृत घोषित किया गया। अंत्येष्टि के लिए पहुंचे, तो प्रदेश

असंवेदनशीलता को दर्शाता है। में सहयोग करेंगे, तो हम खुद की बर्बरता की वजह से यह की जिम्मेदारी स्पष्ट है। अगर है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा किया जा सकता है कि पुलिस हजारों कार्यकर्ताओं के बीच वह अंबेडकर पर अमित शाह के बयान पर भी आराधना मिश्रा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अमित शाह का जो बयान आया है, वह गलत है। तंज कसते हुए कहा, उनका बयान उनकी गंभीरता और संवेदनशीलता को दर्शाता है। बाबासाहेब अंबेडकर, जिन्होंने इस देश को संविधान दिया, उनके लिए इस तरह का गैर जिम्मेदाराना बयान गृहमंत्री का आना बेहद दुखद है। यह दर्शाता है कि वह संविधान और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के प्रति कितने आदरणीय हैं। मुंबई महानगरपालिका चुनाव में सपा के अकेले ताल ठोकने वाले अबू आजमी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि यह बिल्कुल सही नहीं है। इंडिया ब्लॉक पूरी ताकत से खड़ा है। कई बार पार्टियों के अपने निर्णय होते हैं और संगठन के कार्य होते हैं, जिन्हें हम अपने तरीके से करेंगे।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिवल जज (क.श्रे.) शर्की इलाहाबाद द्वारा निकाली गई उद्घोषणा

उत्तराधिकार वाद संख्या - 1011 **सन 2023**

विमलेश कुमार गौतम उम्र लगभग 36 वर्ष पुत्र स्व. रामजगराम निवासी प्लॉट नंबर 151 आर के पुरम हवेलिया झूँसी इलाहाबाद

बनाम

1. कमलेश मुमर गौतम उम्र लगभग 42 वर्ष पुत्र स्व. पुत्र स्व. रामजगराम निवासी प्लॉट नंबर 151 आर के पुरम हवेलिया झूँसी इलाहाबाद, **2. अखिलेश कुमार गौतम** उम्र लगभग 39 वर्ष पुत्र पुत्र स्व. रामजगराम निवासी प्लॉट नंबर 151 आर के पुरम हवेलिया झूँसी इलाहाबाद, **3. विकलेश कुमार गौतम** उम्र लगभग 37 वर्ष पुत्र स्व. रामजगराम निवासी प्लॉट नंबर 151 आर के पुरम हवेलिया झूँसी इलाहाबाद, **4. श्रीमती बिन्दू** पत्नी राम शिरोमणि पुत्री स्व. रामजगराम निवासिनी ए-2/65 के. एच. नं. 1701 गली नं- 12 आर्य नगर इक्सटेन्सन फेस नं. 5 आर्य नगर साउथ दिल्ली , दिल्ली

अपने... मृत... को देय ऋण व प्रतिभूतियों वसूल करने के लिए प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिए सन **1889 ईस्वी के अधिनियम 7 के अधीन 372 भा. उ. अ. का आवेदन उत्तराधिकार प्रमाणपत्र के लिए का आवेदन के लिए ।**

चूंकि वादी ने प्रमाणपत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और **सन् 2024 के 1 का 4 दिवस** आवेदन की सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकली जाती है कि जिस किसी को उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अधिवक्ता द्वारा **10. बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिवल जज (क.श्रे.) शर्की प्रयागराज** मे नियत दिनांक पर उपसंजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक में अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध यथोचित आदेश पारित होगा।

नियत तिथि - **04/01/2025**

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

न्यायालय सिवल जज (क.श्रे.) शर्की इलाहाबाद द्वारा निकाली गई उद्घोषणा

उत्तराधिकार वाद संख्या - 921 **सन 2024**

1. श्रीमती कुसुम उम्र लगभग 38 वर्ष पत्नी स्व. संजय कुमार , **2. अंकित** उम्र 13 वर्ष पुत्र संजय कुमार, **3. रिंक** उम्र 12 वर्ष पुत्री संजय कुमार , **4. शिम्पी** उम्र 11 वर्ष पुत्री संजय कुमार प्रार्थीगण संख्या 2 लगायत 4 द्वारा नैसर्गिक संरक्षक (माँ) कुसुम पत्नी संजय कुमार समस्त निवासीगण ग्राम भटौती तहसील मेजा प्रयागराज

बनाम

सुशीला देवी पत्नी श्री जीवन लाल उम्र 65 वर्ष निवासी ग्राम भटौती तहसील मेजा प्रयागराज

अपने... मृत... को देय ऋण व प्रतिभूतियों वसूल करने के लिए प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिए सन **1889 ईस्वी के अधिनियम 7 के अधीन 372 भा. उ. अ. का आवेदन उत्तराधिकार प्रमाणपत्र के लिए का आवेदन के लिए ।**

चूंकि वादी ने प्रमाणपत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और **सन् 2025 के 01 का 02 दिवस** आवेदन की सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकली जाती है कि जिस किसी को उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अधिवक्ता द्वारा **10. बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिवल जज (क.श्रे.) शर्की प्रयागराज** मे नियत दिनांक पर उपसंजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक में अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध यथोचित आदेश पारित होगा।

नियत तिथि - **02/01/2025**

न्यायाधीश

अमित शाह की टिप्पणी से बाबा साहेब की गरिमा को ठेस पहुंची है, वह अपना बयान वापस लेंः मायावती

लखनऊ, संवाददाता। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर पर गृहमंत्री अमित शाह की टिप्पणी के बाद सियासत गरमा गई है। इस पर बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक बयान जारी करते हुए कहा कि अमित शाह की टिप्पणी से बीआर आंबेडकर की गरिमा को ठेस पहुंची है, उनके अनुयायी आहत हैं, उन्हें टिप्पणी वापस लेनी चाहिए। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह से अपना बयान वापस लेने की मांग की है। बाबा साहेब के अनुयायी अमित शाह को कभी माफ नहीं करेंगे और भाजपा की कोई भी चाल कामयाब नहीं होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने भी हमेशा डॉ. आंबेडकर का विरोध किया है। खुद बाबा साहेब ने भी दलितों को कांग्रेस से दूर रहने की सलाह दी थी। इससे पहले मायावती ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा था कि दलितों व अन्य उपेक्षितों के लिए एकमात्र इनके भगवान केवल बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर हैं, जिनकी वजह से ही इन वर्गों को जिस दिन संविधान में कानूनी अधिकार मिले हैं, तो उसी दिन इन वर्गों को सात जन्मों तक का स्वर्ग मिल गया था। अमित शाह की टिप्पणी को लेकर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भी भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने एक्स पर लिखा, जिनका मन 'विद्वेष' से भरा है, वो 'देश' क्या चलाएंगे। आज जो हुआ वो सिर्फ बाबासाहेब का ही नहीं, उनके दिये संविधान का भी अपमान है। ये भाजपा की नकारात्मक मानसिकता का एक और चरम बिंदु है। देश ने आज जान लिया है कि भाजपाइयों के मन में बाबासाहेब को लेकर कितनी कटुता भरी है। भाजपाई बाबासाहेब के बनाए संविधान को अपना सबसे बड़ा विरोधी मानते हैं क्योंकि उनको लगता है कि वो जिस प्रकार गरीब, वंचित, दमित का शोषण करके, उनके ऊपर अपना प्रभुत्व कायम करना चाहते हैं, उनकी इस बद मंशा के आगे संविधान ढाल बनकर खड़ा है।

सपा कार्यकर्ताओं ने किया विरोध-प्रदर्शन, गृह मंत्री अमित शाह का पोस्टर फाड़ा

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। हजरतगंज स्थित अटल चौक पर गृह मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं ने अमित शाह पर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के अपमान का आरोप लगाया। गुरुवार को हजरतगंज चौराहे पर अचानक समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता पहुंचे। हाथ में अमित शाह का पोस्टर लेकर नारेबाजी करने लगे। राज्यसभा सदन में गृह मंत्री द्वारा बाबा साहब को लेकर दिए गए बयान पर कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताई। प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं ने कहा कि सदन में दिया गया बयान पूरी तरीके से दलित विरोधी है। बाबा साहब ने संविधान के माध्यम से जो अधिकार दिए हैं, संपूर्ण भारत उनका सम्मान करता है। देश के गृह मंत्री को माफी मांगनी चाहिए। प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह अफसोसजनक है कि संविधान रचयिता के ऊपर अपमानजनक टिप्पणी की जा रही है। बाबा साहब ने पूरे देश के शोषितों, वंचितों को सम्मान देने का काम किया है। उनका अपमान किसी भी हाल में देश बर्दाश्त नहीं करेगा। जब तक अमित शाह माफी नहीं मांग लेंगे, यह विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच में तीखी नोकझोंक हुई। प्रदर्शन के दौरान आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने गृह मंत्री का पोस्ट फाड़कर आक्रोश व्यक्त किया। प्रदर्शन करे रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया।

दुकान का शटर काटकर चोरी करने वाले तीन गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ की हजरतगंज पुलिस ने प्रदेश भर में घुमकर चोरी करने वाले गैंग को गिरफ्तार किया। आरोपी दुकानों का शटर काटकर मोबाइल व इलेक्ट्रोनिक आइटम चोरी कर लेते थे। सीसीटीवी की मदद से तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया गया। ख्याली गंज कोतवाली कैसरबाग के रहने वाले जीशान अली पुत्र अब्दुल जब्बार की हजरतगंज इलाके में मोबाइल की शॉप है। उन्होंने बताया मंगलवार रात कुछ अज्ञात चोर उनकी दुकान का शटर काटकर अंदर रखे 16 मोबाइल चोरी कर लिए। जिनका सीसीटीवी भी पुलिस को सौंपा। पुलिस ने सीसीटीवी व सर्विलांस की मदद से आरोपियों की तलाश शुरू की। बुधवार रात करीब 9 बजे आरोपियों को लक्ष्मण मेला मैदान के पास से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों की पहचान बछरावां रायबरेली के रहने वाले आशीष कुमार यादव उर्फ पन्नू (25) पुत्र राजेश यादव, रिसिया बहराइच के रहने वाले छोटू उर्फ विक्रम निषाद (25) पुत्र जगदीश और पीडब्लूडी कलोनी राजभवन गेट नं0 1 थाना हजरतगंज के रहने वाले सत्येन्द्र कुमार जायसवाल उर्फ विक्की(22) पुत्र राजेन्द्र कुमार जायसवाल के रूप में हुई।

मां

मां आई मेरे घर अंगना,
पैर महावर लगे हाथ चूड़ी कंगना,
मां आई मेरे घर अंगना।

मां के आने से पवित्र संसार,
दुष्टों का करती संहार,
अपनी कृपा बनाए रखती,
सबको देती है आशीर्वाद,
मां आई मेरे घर अंगना,
लाल साड़ी पहने खनके चूड़ी कंगना,
मां आई मेरे घर अंगना।

दूर करो मां कष्ट परेशानी दुख,
सब पर बरसाओ मां सुख ही सुख,
खुशी लुटाती रहो हमेशा मां,
सबके चेहरे पर मुस्कान लाओ मां,
मां आई मेरे घर अंगना,
काले केस जेवर पहन आई अंगना,
मां आई मेरे घर अंगना।

मां से ही है पूरा संसार,
खुशी हंसी सुखों का भंडार,
रोग व्याधि को दूर करो मां,
पूर्ण करो इच्छाओं का अंबार,
मां आई मेरे घर अंगना ,
मां की वंदना पूरे परिवार मिल करना
मां आई मेरे घर अंगना।

रंजु सिन्हा

सम्पादकीय.....

जश्न में फायरिंग

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि विवाह आदि खुशी के मौके पर जानलेवा फायरिंग से मातम का माहौल बनने की तमाम घटनाओं के बावजूद इस बुराई पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। विगत में ऐसी अनेक घटनाओं में कई लोगों की जान चली गई और परिवारों के लिये जीवनभर का दुख छोड़ गए। इस बाबत कई बार अदालतों ने सख्त टिप्पणियां की और सामाजिक स्तर पर भी आवाजें उठी। लेकिन परिणाम वही ढाक के तीन पात ही रहे। पिछले महीने पंजाब और हरियाणा में ऐसी ही तीन दर्दनाक घटनाएं इस आत्मघाती लापरवाही से सामने आईं। जो इस घातक प्रथा के गंभीर परिणामों को ही उजागर करती हैं। ऐसी ही एक घटना में हरियाणा के चरखी दादरी इलाके में एक बारात के दौरान तेरह साल की एक किशोरी की दर्दनाक मौत हर्ष फायरिंग में हो गई। साथ ही उसकी मां भी गंभीर रूप से घायल हो गई। ऐसे ही एक अन्य वाकये में फिरोजपुर में, एक दुल्हन तब गंभीर रूप से घायल हो गई, जब उसके भाई ने विदाई समारोह के दौरान लापरवाही से पिस्तौल चला दी। वहीं दूसरी ओर अमृतसर में ऐसी ही एक घटना सामने आई जब एक रिसॉर्ट में आयोजित विवाह समारोह में एक महिला हर्ष फायरिंग से घायल हो गई। निश्चित रूप से संवेदनहीनता से उपजी त्रासदियों को रोकने के लिये तत्काल कार्रवाई की जरूरत महसूस की जा रही है। यकीनी तौर पर इस कुप्रथा को रोकने के लिये जो गंभीर पहल समाज की ओर से होनी चाहिए, वह होती नजर नहीं आ रही है। इन हालात में एक आशा की किरण तब जगी जब सर्वजातीय अठगामा खाप ने जश्न के दौरान होने वाली हर्ष फायरिंग पर प्रतिबंध ा लगाने का निर्णय सामाजिक स्तर पर लिया। निश्चित रूप से खाप पंचायत का यह निर्णय स्वागत योग्य कदम ही कहा जाएगा। उसने चरखी दादरी की दुर्घटना में किशोरी की मौत के बाद यह प्रतिबंध लगाया है। निस्संदेह, खाप पंचायत की ओर से इस बुराई को दूर करने की यह कोशिश उसके सामाजिक दायित्वों के प्रति प्रतिबद्धता को ही उजागर करती है। खाप ने फैसला लिया है कि ऐसी दुर्घटना को अंजाम देने वाले व्यक्ति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवायी जाएगी। उस व्यक्ति या परिवार पर जुर्माना लगाया जाएगा। ऐसी घटना को अंजाम देने वाले व्यक्ति का सामाजिक बहिष्कार भी होगा। वक्त की नजाकत को समझते हुए लिया गया खाप का यह फैसला इस खतरनाक परिपाटी के खिलाफ शून्य सहिष्णुता को ही दर्शाता है। इस जानलेवा फायरिंग के खतरों को महसूस करते हुए जागरूकता अभियान चलाने का फैसला भी खाप की ओर से लिया गया, ताकि भविष्य में होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने हेतु ठोस पहल की जा सके। निस्संदेह, समाज में इस घातक दिखावे की सोच बदलने हेतु खाप की रचनात्मक पहल से शादियों व अन्य खुशी के अवसरों पर बंदूकों के दुरुपयोग की प्रवृत्ति को खत्म किया जा सकेगा। उम्मीद करें कि पंजाब व हरियाणा में विभिन्न सामाजिक संगठनों को इस घातक प्रथा को समाप्त करने के खाप के सामूहिक संकल्प से प्रेरणा मिलेगी। बेहतर हो कि खाप की पहल का अनुपालन हो। हालांकि, सामाजिक स्तर पर यह जमीनी प्रयास महत्वपूर्ण पहल है, लेकिन प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को भी इस मामले में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना चाहिए। हालांकि, सुप्रीम व हाईकोर्ट बार–बार जश्न मनाने में गोलीबारी की अवैधता व खतरों की ओर ध्यान दिलाते रहते हैं। साथ ही इसे जीवन के प्रति लापरवाही से उपजा खतरा बताते रहे हैं। बल्कि यहां तक कि कोर्ट ने ऐसे कृत्यों में गैर इरादतन हत्या की कोशिश के रूप में कार्रवाई किये जाने की भी बात कही है। वहीं दूसरी ओर बंदूक से जुड़े नियमों को भी सख्ती से लागू करने की जरूरत है। साथ ही कानूनों के उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ त्वरित कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। इसके अतिरक्त बंदूक लाइसेंसिंग मानदंडों के अतिक्रमण के मामलों को रोकने के लिये सुरक्षा प्रोटोकॉल की शिक्षा दी जानी अनिवार्य की जानी चाहिए। लोगों को जागरूक होकर यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी उत्सव में हर्ष फायरिंग जैसी त्रासदियों की छाया से मुक्त होकर खुशियों के पल बरकरार रहें।

तानाशाही की ओर एक और कदम

एजेंसी

पहले चरण में लोकसभा व विध ानसभा–संघ प्रदेश के चुनाव हों और दूसरे चरण में नगरीय निकायों के। दूसरे चरण के मतदान पहले चरण का चुनाव सम्पन्न हो जाने के 100 दिनों के भीतर हो जाने चाहिये। समिति ने इसे 2029 या 2034 तक लागू करना सम्भव बतलाया है।

लम्बे समय से जिस 'एक देश एक चुनाव' की बात हो रही थी, तत्सम्बन्धी विधेयक अंततरू मंगलवार को लोकसभा में पेश कर ही दिये गये। केन्द्रीय संसदीय कार्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने देश भर में लोकसभा व विधानसभा चुनाव एक साथ कराने (संशोधन क्रमांक 129) तथा संघ प्रदेशों से सम्बन्धित प्रावधान वाले विधेयकों को प्रस्तुत किया। इस पर मत विभाजन होने के कारण इस पर वोटिंग कराई गई। पक्ष में 269 और विपक्ष में 198 मत पड़े। इसके बाद इसे पुर्नस्थापित करने के उद्देश्य से संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा गया। वैसे इस प्रस्ताव पर बोलते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कैबिनेट में जब यह प्रस्ताव लाया गया था तभी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि इसे जेपीसी को भेजा जाना चाहिये। याद हो कि इस आशय का प्रस्ताव लाना पहले से ही केन्द्र की भारतीय जनता पार्टी की मंशा रही है जिसके लिये उसने इसी लोकसभा चुनाव के पहले पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में 2 सितम्बर, 2023 को एक समिति बनाई थी। लगभग 7 माह बाद उसके द्वारा पेश की गयी रिपोर्ट में इस आशय की अनुशंसा की थी। समिति ने दो चरणों में ये चुनाव कराने की सिफारिश की है। पहले चरण में लोकसभा व विध ानसभा–संघ प्रदेश के चुनाव हों और दूसरे चरण में नगरीय निकायों के। दूसरे चरण के मतदान पहले चरण का चुनाव सम्पन्न हो जाने के 100 दिनों के भीतर हो जाने चाहिये। समिति ने इसे 2029 या 2034 तक लागू करना सम्भव बतलाया है। 129वें संशोधन के रूप में ये बिल लाये गये हैं। जैसा कि अनुमान था, इन विधेयकों का विपक्ष की ओर से पुरजोर विरोध किया गया। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इस प्रस्ताव को संविध ान के मूल ढांचे पर हमला और देश को तानाशाही की ओर ले जाने वाला कदम बताया। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि यह बिल सरकार को वापस ले लेना चाहिये। कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों ने मांग की कि बिल को जेपीसी के पास भेजा जाये। वैसे तो इस प्रस्ताव को पारित कराना सत्तारुढ़ दल के लिये आसान नहीं है क्योंकि इसके लिये उसे दो तिहाई का बहुमत चाहिये जो उसके पास नहीं है। मतदान में जब तक 50 फीसदी से ज्यादा वोट पक्ष में नहीं पड़ते, इसे कानून नहीं बनाया जा सकता। 543 सीटों वाली भाजपा प्रणीत नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस के पास कुल 292 सदस्य हैं जबकि दो तिहाई का आंकड़ा 362 का होता है। राज्यसभा में भाजपा–एनडीए की 112 सीटें हैं तथा उसे 6 मनोनीत सांसदों का समर्थन है। यहां विपक्ष की 85 सीटें हैं। इस उच्च सदन में दो तिहाई का आंकड़ा 164 का होता है। उल्लेखनीय है कि जब रामनाथ कोविंद समिति ने इस पर राजनीतिक दलों की राय मांगी थी तो 32 प्रमुख राजनीतिक दलों ने इसका समर्थन किया था और 15 ने विरोध। जिन दलों ने विरोध किया था उनके लोकसभा मे 205 सदस्य हैं। इसका अर्थ यह है कि विपक्षी दलों के बिना ये विधेयक कानून का रूप नहीं ले सकते। इसलिये सरकार की कोशिश है कि दोनों प्रस्तावों पर आम राय बनाई जाये, जिसकी सम्भावना बहुत कम है। बीजू जनता दल का कहना है कि इस पर विस्तृत चर्चा होनी चाहिये। जहां तक जेपीसी की बात है तो उसका अध्यक्ष और बहुमत दोनों ही भाजपा का होगा। ऐसे में विरोधी दलों की आवाज को वैसा ही नजरंदाज कर दिया जायेगा जिस प्रकार से अनेक समितियों में होता आया है। वैसे तो जिन कारणों से एक साथ चुनाव कराये जाने की सिफारिश की गयी है उनमें से प्रमुख है बार–बार होने वाले चुनावों पर समय और खर्च को बचाना। संसाधनों की बचत, काले धन पर लगाम आदि जैसे इसके अन्य फायदे बतलाये गये थे। बार–बार होने वाले चुनावों से विकास कार्य अवरूद्ध होने की भी बात कही गयी थी। दूसरी तरफ कहा गया कि इसके चलते वोटिंग पैटर्न पर असर पड़ेगा क्योंकि लोकसभा और विधानसभा के चुनाव अलग–अलग मुद्दों पर लड़े जाते हैं। लोकसभा की छाया में चुनाव होता है तो स्थानीय मुद्दे दब जायेंगे जिसका सबसे बड़ा नुकसान क्षेत्रीय दलों को होगा। इसके अलावा छोटी पार्टियों को दोनों चुनावों के लिये पर्याप्त संसाधन जुटाने मुश्किल होंगे। फिलहाल दो चुनावों के बीच अंतराल होने से क्षेत्रीय दल चरणों में संसाधनों की व्यवस्था कर सकते हैं। हालांकि सरकार इससे पैसे बचाने की बात करती है लेकिन उसका भी खर्च बढ़ेगा क्योंकि उसे अधिक ईवीएम की जरूरत पड़ेगी तथा ज्यादा कर्मचारी–अधिकारी लगाने होंगे। फिलहाल एक मतदाता जितना समय वोट करने में लगाता है उसे दोगुना समय लगेगा। यह भी सोचना होगा कि एक दिन में कैसे दोगुने वोट डाले जा सकेंगे। वैसे यह माना जा रहा है कि यह कानून भाजपा अपने लाभ के लिये ला रही है। वह देश क्या दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है जिसके पास न पैसों की कमी है और न ही कार्यकर्ताओं की। केन्द्र के साथ अनेक राज्यों में उसी की सरकारें हैं। उसने पहले से ही इलेक्टोरल बॉड्स और अन्य तरीकों से धन इकठ्ठा कर रखा है। भाजपा ने चुनावी प्रचार अभियानों को पहले से ही बेहद खर्चीला कर दिया है जिसका मुकाबला अन्य दलों के लिये करना अभी ही मुश्किल है। फिर, भाजपा अपने विरोधियों को कैसे संसाधन विहीन करती है, वह इसी लोकसभा चुनावों के दौरान सभी ने देखा है। उसने ऐन चुनाव के पहले कांग्रेस के खातों को आयकर विभाग के जरिये सील करा दिया था।

बदलावों में ही संविधान की रमणीयता है

डॉ. दीपक पाचपोर

भारतीय संविधान ने अपने लिये जो जिम्मेदारियां तय की हैं, उनमें देश के भीतर एक सुगठित राजनीतिक प्रणाली बनाने, सरकार के कामों का निध ारण, शक्ति पृथक्करण कर विभिन्न अंगों के बीच संतुलन बनाये रखने, नागरिकों के बुनियादी अधिकारों को सुनिश्चित करने, नीति निर्देशक तत्वों के अनुरूप राज्य को परिचालित करने आदि जैसे महती उत्तरदायित्व तो हैं ही, जो कि दुनिया भर के ज्यादातर लिखित–अलिखित अथवा छोटे–बड़े संविधानों में भी तय किये गये हैंय परन्तु दो सर्वाधिक महत्वपूर्ण कार्य भारत के संविध ान ने अपने लिये चुने हैं। पहला है एक कल्याणकारी राज्य का सृजन और दूसरे, मानवीय गरिमा को स्थापित करना। संविधान पिछले लगभग 75 वर्षों से अपने इन दोनों उद्देश्यों को हासिल करने में लगभग कामयाब रहा है। देश ने केन्द्र के साथ राज्यों में कई तरह की सरकारें देखी हैं– अच्छी और बुरी, बहुमत वाली और अल्पमत की भी, कठोर व उदार या फिर मध्यमार्गी। उनकी वैचारिक पृष्ठभूमियां भी अलग–अलग रहीं। फिर भी किसी भी सरकार ने (केन्द्र की हों या सूबों की) संविधान से ऐसी छेड़छाड़ करने का कभी प्रयास नहीं किया जिसके कारण हमारा राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक ढांचें चरमरा जायें। इस मायने में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्रित्व वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार सबसे अलग निकली। चाहे वह खुद इसी संवैधानिक प्रणाली की उपज हो लेकिन उसने 2014 के पहले से ही इसके लिये ऐसा कुछ करना शुरू कर दिया था कि मौका मिले और वह संविधान का बैंड बजा दे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शुरू से ही मनुस्मृति का समर्थक रहा है। उसका सपना रहा कि जब भी वह सत्ता में आये, इस संविधान को दफा कर मनुस्मृति लागू कर दे। इसका मौका देशवासियों ने कभी नहीं दिया। न जनसंघ और न ही भाजपा के रूप में वह कभी इतनी सक्षम हो पायी कि डॉ. बीआर अंबेडकर रचित संविधान को रद्द कर अपनी मान्यताओं के अनुरूप या मनुस्मृति आधारित ऐसा दस्तावेज दे सके जो देश को परिचालित करे। 1977 में बनी जनता पार्टी की सरकार में उसकी भागीदारी ऐसी नहीं थी कि वह संविधान की ओर देखने की भी हिम्मत कर सके। पक्ष और विपक्ष में ऐसे अनेक बड़े नेता और उनकी पार्टियां थीं जो सजगता से संविध ान की रक्षा में तैनात रहीं। उसके बाद 13 दिन, 13 माह और अंततरू पूरे पांच वर्षों की केन्द्र में भाजपा के अटल बिहारी वाजपेयी की सरकारें जरूर बनीं परन्तु वे अनेक पार्टियों के भरोसे थीं। इसलिये संविधान साफ–साफ बच निकला। अलबत्ता 2014 के लोकसभा चुनाव के काफी पहले से जिस ढंग से मोदी और भाजपा ने कांग्रेस पर हमले किये, साफ हो गया था कि पूरी व्यवस्था में जिस सुधार की बात की जा रही है, वह दरअसल संविधान में बदलाव का माहौल तैयार किया जा रहा है। कांग्रेस की यात्रा में पहले आजादी का संग्राम उसका साथी था, तो स्वतंत्रता के पश्चात संविधान उसका हमसफर बना। भारत के वैविध्यपूर्ण सामाजिक ढांचे के अनुकूल एक ऐसा संविध ान देने में अंबेडकर सफल रहे जो करोड़ों लोगों का उत्थान, एक मजबूत व प्रगतिशील राष्ट्र सुनिश्चित कर सके। जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में पहली सरकार ने उसे प्रसन्नतापूर्वक लागू किया। यह पवित्र ग्रंथ ही पिछले साढ़े सात दशकों से किसी मशाल की भांति भारत का पथ प्रदर्शन करता रहा है। भाजपा–संघ की विचारध ारा इस संविधान के ताप को बर्दाश्त करने में नाकाबिल थी। जब इसे लागू किया गया तभी इसके बारे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुखों की ओर से कहा गया कि इसमें कुछ भी भारतीय नहीं है।श उनके अनुसार मनुस्मृति ही भारतीय व्यवस्था को संचालित करने वाली संहिता हो सकती है। दूसरी तरफ, गांध ी के हिन्द स्वराज्य और नेहरू की भारतीय परिवेश के अनुकूल परिमार्जित की गयी समाजवादी अवधारणा से जो रसायन तैयार हुआ वह भारत के समग्र विकास के लिये रामबाण साबित हुआ। इस काढ़े को पीकर भारत में मनुस्मृति पर आधारित समाज से उपजने वाली तमाम तरह की व्याधियों से भी लड़ने की ताकत पैदा हुई। इसलिये हिंदू महासभा, संघ और उनके जैसे संगठनों व वैचारिक बुनावट वाले लोगों के लिये आवश्यक था कि कांग्रेस को कोसें, स्वतंत्रता आंदोलन की गौरवशाली विरासत को लांछित करें तथा राष्ट्रनायकों को अपमानित करें। इससे तैयार हुई मानसिकता ने संविधान के श्रेष्ठ तत्वों पर हमले किये। भाजपा के वर्तमान नेताओं और काडर की ओर से संविधान का जो सतत अपमान किया जाता रहा है, उसे नयी ऊर्जा मिली मोदी के पीएम बनने से। उनके मुख्यमंत्री रहने के दौरान गुजरात की जो दशा हुई, वह झलक मात्र थी कि मोदी के जरिये भाजपा देश का कैसा स्वरूप चाहती है। पहले कार्यकाल (2014–19) में तो स्थिति ऐसी नहीं थी कि संविधान की सीधे तौर पर अवमानना की जा सके। हालांकि विपक्ष कमजोर था। दूसरे कार्यकाल (2019–2024) के दौरान मोदी की नीतियों ने जैसा बदहाल भारत को किया, वह वातावरण राज्य के शक्तिशाली होने के उपयुक्त था। हुआ भी ऐसा ही। 2016 में नोटबन्दी के सनकपूर्ण और अदूरदर्शी निर्णय ने भारतीयों को पूर्णतरू विपन्न कर दिया। जीएसटी समेत अनेक दोषपूर्ण फैसलों ने भी जनता को और शक्तिहीन किया। भाजपा छोड़कर ज्यादातर राजनीतिक दल चुनाव लड़ने के काबिल नहीं रह गये क्योंकि उनके पास पैसे नहीं हैं। विरोधियों को केन्द्रीय जांच एजेंसियों के जरिये डरा–ध ामकाकर निर्वाचित सरकारें गिराई जाती रहीं। फिर भी कहीं हार की गुंजाइश हो तो ईवीएम का खेल किया जाता है। इन्हीं के बल पर भाजपा आश्वस्त थी कि उसे 2024 के लोकसभा में 400 से ज्यादा सीटें मिलेंगी। पार्टी का असली मंतव्य सामने आया। ज्योति मिर्धा, अनंत हेगड़े, अरुण गोविल, टी राजा सिंह जैसों ने कहा कि मोदी को 400 सीटें चाहिये ताकि संविधान को बदला जा सके। नतीजे अलग आये। मोदी को दो दलों (तेलुगू देसम पार्टी और जनता दल– यूनाइटेड) के भरोसे सरकार बनानी पड़ी। इस बीच राहुल गांधी और कांग्रेस ने संविधान को प्रमुख विमर्श बना डाला। अब मोदी और भाजपा खुद को संविधान के सबसे बड़ा रक्षक साबित करने पर तुले हुए हैं। अब तक संविधान के श्रेष्ठ तत्वों– धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद, समानता, बन्धुत्व आदि को पानी पी–पीकर कोसने वाली भाजपा उन्हें बचाने पर तुली है। वैसे लोक कल्याणकारी राज्य और मानवीय गरिमा से भाजपा को परहेज है। इसलिये उसका संविध ान का विरोध है, पर उसके प्रति प्रेम दिखाना उसकी हालिया जरूरत है। उसकी लाचारी का आलम यह है कि उसे संसद में संविधान की गौरवशाली यात्रा पर विशेष बैठकें करनी पड़ी हैं। लोकसभा में प्रियंका गांधी ने कहा कि श्यदि नतीजे ऐसे नहीं आते तो अब तक संविधान बदलने का कार्य शुरू भी चुका होता। यह सच है। इसलिये विशेष बैठकें प्रहसन मात्र साबित हुईं क्योंकि मोदीजी ने जिस अंदाज में अपना फोकस कांग्रेस की आलोचना पर बनाये रखा और विभिन्न संशोध ानों को कांग्रेस के मुंह पर लगा खून का स्वादश बताया, उससे साफ है कि मोदी को भारतीय संविधान की रत्ती भर समझ नहीं है। समयानुसार हुए इन्हीं संशोध ानों ने हमारे संविधान को गतिशील और नया–नवेला बनाये रखा है। यदि अब तक हुए संशोधनों की सूची पर नजर डालें तो स्पष्ट हो जायेगा कि इन्हीं के कारण संविधान प्रासंगिक और उपयोगी बना हुआ है। आधुनिक विश्व के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने की उसकी क्षमता इन्हीं संशोधनों की वजह से है। फिर चाहे वह विभिन्न राज्यों का विलय या उन्हें पूर्ण राज्य का दर्जा देना होय अथवा कमजोर वर्गों का सशक्तिकरण अथवा पंचायती राज से लेकर मतदान की आयु घटाना। इसमें हुए संशोधन इसे नूतनता प्रदान करते हैं। महाकवि माघ अपने महाकाव्य शिशुपाल वध में कहते हैं– श्क्षणै क्षणै यन्नवतामुपैति तदैव रूपं रमणीयताया। अर्थात जो चीज हर पल नयी होती है वही सुन्दर या रमणीय होती है। बदलावों में ही जीवन की रमणीयता है। संविधान की भी।

भारत सीमा मुद्दों और आर्थिक अनिवार्यताओं में घालमेल न करे

नन्तू बनर्जी

30 स्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत के साथ शांति और सौहार्द्र बनाये रखने तथा लंबित मुद्दों के शीघ्र समाधान के लिए काम करने के चीन के अचानक मन परिवर्तन को दोनों देशों के संयुक्त घोषणापत्र के शब्दों से परे जाकर नहीं समझा जाना चाहिए, जैसा कि इस महीने की शुरुआत में दिल्ली में भारत–चीन सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र की 30वीं बैठक के अंत में जारी संयुक्त घोषणा में कहा गया था। लगभग साढ़े चार साल के अंतराल के बाद चीन सीमा मुद्दे पर सावधानीपूर्वक समझौता करने के लिए तैयार दिख रहा है, जब चीनी सैनिकों ने पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर यथास्थिति को आक्रामक तरीके से बदलने की कोशिश की, लेकिन उन्हें इसमें कोई सफलता नहीं मिली थी। उम्मीद है कि चीनी शांति प्रस्ताव के साथ कोई अलिखित शर्त नहीं होगी, जो यह है कि भारतीय बाजार में अधिक माल निर्यात की अनुमति दी जायेगी। चीन को संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ अपने घटते व्यापार अधिशेष को आंशिक रूप से कवर करने के लिए एक स्थिर निर्यात बाजार की आवश्यकता है। नवंबर में चीन के निर्यात में तेजी से गिरावट आई क्योंकि डोनाल्ड ट्रम्प की व्हाइट हाउस में आसन्न वापसी नये व्यापार जोखिम लेकर आई है। चीन भारत के विशाल बाजार को हथियाने के लिए कई तरह के माल को डंप करने को आगे बढ़ रहा है। भारत चीन (हांगकांग सहित) का दूसरा सबसे बड़ा व्यापार अधिशेष स्रोत और अमेरिका, दक्षिण कोरिया और वियतनाम के बाद चौथा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य बन गया है। दुनिया का नंबर 1 निर्यातक चीन शायद भारतीय बाजार के बड़े हिस्से के बदले में लद्दाख सीमा पर एक छोटे से सैन्य समझौते के लिए तैयार हो जायेगा। अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर संयुक्त राष्ट्र के कॉमट्रेड डेटा बेस के अनुसार, पिछले साल भारत का चीन से आयात 121. 97अरब डॉलर का था। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रम्प ने चीनी वस्तुओं पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने का वायदा किया है। ट्रम्प चीनी माल पर 60 प्रतिशत से अधिक टैरिफ लगाना चाहते हैं। ट्रम्प की धमकियों ने चीन के औद्योगिक हलकों को हिला दिया है, जो अमेरिका को सालाना 400अरब डॉलर से अधिक का सामान बेचता है। पिछले साल, अमेरिका के साथ चीन का व्यापार अधिशेष 336अरब डॉलर था। एक देश के रूप में भारत दूसरे स्थान पर था। यूरोपीय संघ और आसियान, जो राष्ट्रों के समूहों का प्रतिनिधित्व करते हैं, चीन की व्यापार अधिशेष सूची में भारत से आगे थे। चीन स्वाभाविक रूप से चिंतित है। यह ध्यान रखना दिलचस्प हो सकता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले चीन ने अनौपचारिक रूप से डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस का समर्थन किया था, जो रूस के खिलाफ देश की लड़ाई में यूक्रेन की प्रबल समर्थक थीं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अमेरिका को उसका निर्यात बाधित न हो। हैरिस की जीत ने रूस–यूक्रेन युद्ध को और बढ़ा दिया होता। चीन को शायद इस बात से कोई आपत्ति नहीं थी कि अमेरिका को अपने निर्बाध निर्यात के लिए रूस, जो उसका तथाकथित प्रमुख श्सहयोगीश है, के खिलाफ यूक्रेन का नाटो समर्थित सैन्य प्रतिरोध जारी रहे। पिछले कुछ वर्षों में, निक्सन युग के बाद से अमेरिका को चीन के बड़े पैमाने पर निर्यात ने पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) को दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में मदद की है। 1972 में जब तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने ताइवान में चीन गणराज्य के पक्ष में अमेरिकी कूटनीतिक नीति के वर्षों के बाद पीआरसी के साथ संबंध स्थापित करने के लिए चीन का दौरा किया था, तब चीन की अर्थव्यवस्था केवल 113.69अरब डॉलर की थी। इसने एक बड़ी अमेरिका–चीन आर्थिक और व्यापार साझेदारी को खोलने में भी मदद की, जिससे चीन आज एक दुर्जेय आर्थिक और सैन्य शक्ति बन गया है। 1972 में माओत्से तुंग के नेतृत्व में चीन के साम्यवादी शासन ने 23 वर्षों के अंतराल के बाद अमेरिका के साथ एक राजनयिक संबंध स्थापित करने का फैसला किया। साम्यवादी चीन के पास अमेरिका के साथ बातचीत शुरू करने के अपने रणनीतिक कारण थे क्योंकि एशिया में यूएसएसआर के बढ़ते प्रभाव के साथ उनकी साझा राजनीतिक विचारधारा के बावजूद अधिक शक्तिशाली कम्युनिस्ट पड़ोसी, सोवियत संघ के साथ उसके संबंध खराब होने के खतरे उत्पन्न हो गये थे। 1960 के दशक के अंत तक, चीन और सोवियत संघ लगातार सीमा पर झड़पों में शामिल थे, जिससे पूर्ण युद्ध की कगार पर पहुंचने का खतरा था। राष्ट्रपति निक्सन और उनके विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर ने सोवियत संघ को किनारे करने के लिए चीन के साथ संबंधों को फिर से बनाने के अवसर का फायदा उठाने का फैसला किया ताकि अमेरिका और शक्तिशाली यूएसएसआर के बीच शक्ति संतुलन बनाया जा सके। निक्सन ने कहा था, श्मेरे दुश्मन का दुश्मन मेरा दोस्त है। इसके बाद चीन की आर्थिक शक्ति में वृद्धि शुरू हुई। 1978 में देश ने समाजवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बनाये रखते हुए विदेशी निवेश और प्रौद्योगिकी को आकर्षित करने के लिए एक खुले दरवाजे की नीति अपना कर एक प्रमुख आर्थिक सुधार कार्यक्रम शुरू किया। चीन अब लगभग 178 खरब डॉलर की जीडीपी के साथ दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। डोनाल्ड ट्रम्प ने चीन के साथ अमेरिकी व्यापार घाटे को कम करने के लिए चीन से आयात को बहुत महंगा करने की कसम खाई है ताकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था को फिर से मजबूत किया जा सके और अमेरिका में रोजगार को बढ़ावा दिया जा सके। चीन को अपनी निर्यात–संचालित अर्थव्यवस्था को बनाये रखने के लिए भारत जैसे बड़े और बढ़ते बाजार की जरूरत है। शायद इसने ही चीन को व्यापार रियायतों का आनंद लेना जारी रखने के लिए अप्रत्यक्ष रूप से डेमोक्रेट कमला हैरिस का समर्थन करने के लिए प्रेरित किया होगा। इस वर्ष चीनी निर्यात के ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंचने की उम्मीद है, क्योंकि जनवरी में राष्ट्रपति पद संभालने के बाद डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आयात शुल्क बढ़ाने की धमकी के मद्देनजर ग्राहक अग्रिम ऑर्डर देने में तेजी दिखा रहे हैं। विश्लेषकों के अनुसार, चीन की निर्यात वृद्धि पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में चालू अक्टूबर–दिसंबर तिमाही के दौरान सात प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद है, जिससे इस साल देश का कुल निर्यात 35.48 खरब डॉलर हो जायेगा। इस प्रकार, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत के साथ शांति और सौहार्द्र बनाये रखने के लिए चीन का अचानक मन बदलना वास्तविकता से अधिक बनावटी प्रतीत होता है। सैन्य रूप से बहुत आगे, चीन ने पहले ही पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव, नेपाल और हाल ही में भूटान पर अपने काफी रणनीतिक प्रभाव से भारत को घेर लिया है। भारत शायद गलवन में चीनी शांति प्रस्ताव के साथ अपने व्यापार और आर्थिक अनिवार्यताओं को जोड़कर एक बड़ी गलती करेगा।

`सोनाक्षी सिन्हा लगती हैं अपनी उम्र से ज्यादा बड़ी...', ये बोलकर रणबीर कपूर ने कर दिया किया था रिजेक्ट ? एक्ट्रेस ने जाहिर किया दर्द

बॉलीवुड के दिलों की धड़कन रणबीर कपूर का नाम एक बेहतरीन कलाकार के रूप में शामिल है। भले ही उनकी फिल्मों की कहानी गड़बड़ा जाए, लेकिन अभिनेता हमेशा अपनी एक्टिंग से इसकी भरपाई कर देते हैं। शायद यही वजह है कि उनकी पीढ़ी की कई नई अभिनेत्रियाँ रणबीर के साथ काम करना चाहती हैं। उन्होंने जिस भी अभिनेत्री के साथ काम किया, उनकी केमिस्ट्री बहुत अच्छी साबित हुई। चाहे वह आलिया भट्ट के साथ ब्रह्मास्त्र हो, दीपिका पादुकोण के साथ ये जवानी है दीवानी हो या कोंकणा सेन के साथ वेक अप सिड हो, रणबीर की केमिस्ट्री बेहतरीन रही है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रणबीर कपूर ने एक बार सोनाक्षी सिन्हा के साथ काम करने से इनकार कर दिया था? जी हाँ, यह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म थी जिसने पिछले दिनों सुर्खियाँ बटोरी थीं और अब ऐसा लगता है कि सोनाक्षी सिन्हा ने इस बात की पुष्टि की है, लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से।

सोनाक्षी सिन्हा ने क्या कहा?

जूम को दिए गए एक इंटरव्यू में सोनाक्षी ने कहा कि इंडस्ट्री में पुरुषों से ज़्यादा आंका जाता है। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि अतीत में एक अभिनेता ने उनके साथ फिल्म करने से इनकार कर दिया था क्योंकि उसे लगा कि सोनाक्षी उससे बड़ी दिखती हैं। उन्होंने आगे कहा कि वह खुद को भाग्यशाली मानती हैं कि उन्हें उस कलाकार के साथ काम नहीं करना पड़ा क्योंकि वह खुद ऐसे लोगों के साथ काम करने में दिलचस्पी नहीं रखती हैं। सोनाक्षी सिन्हा ने उस समय कहा कि, अरे मैं तुमसे 5–6 साल छो जिन लोगों को नहीं पता, उनके लिए बता दें कि कुछ साल पहले यह अफवाह सुर्खियों में थी कि रणबीर ने उम्र के कारण सोनाक्षी के साथ फिल्म करने से मना कर दिया था। हालांकि, अब तक दोनों पक्षों ने इस मामले पर कुछ नहीं कहा था। लेकिन अब सोनाक्षी के इस इंटरव्यू ने नेटिज़ेंस को यह विश्वास दिला दिया है कि वह अभिनेता कोई और नहीं बल्कि रणबीर कपूर हैं।

सोनाक्षी ने इंडस्ट्री की उम्मीदों पर विचार किया

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'यह बहुत स्पष्ट है कि इंडस्ट्री में हीरो से ऐसी कोई उम्मीद नहीं की जाती है, उन्हें अपनी उम्र के कारण शर्मिंदगी का सामना नहीं करना पड़ता है।' अभिनेत्री को आखिरी बार संजय लीला भंसाली की फिल्म हीरामंडीः द डायमंड बाजार में देखा गया था। उन्होंने अभी तक अपनी आगामी परियोजना के विवरण का खुलासा नहीं किया है।

> "रणबीर कपूर ने एक बार सोनाक्षी सिन्हा के साथ काम करने से इनकार कर दिया था? जी हाँ, यह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म थी जिसने पिछले दिनों सुर्खियाँ बटोरी थीं और अब ऐसा लगता है कि सोनाक्षी सिन्हा ने इस बात की पुष्टि की है, लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से।

पवित्रा पुनिया के धर्म बदलने वाले बयान पर एजाज खान ने तोड़ी चुप्पी, बताया क्या है असली बात

पवित्रा पुनिया और एजाज खान की प्रेम कहानी बिग बॉस से शुरू हुई और अब वह आरोपों के साथ खत्म हो गई। काफी उतार–चढ़ाव के बाद दोनों ने ब्रेकअप कर लिया। वैसे तो दोनों को अलग हुए एक साल हो गया है लेकिन अब पवित्रा के कुछ ऐसे खुलासे कर दिए जिसने तूफान मचा दिया। अब इस मामले में एजाज ने चुप्पी तोड़ते हुए अपने उपर लगे आरोपों पर सफाई दी है। दरअसल एक इंटरव्यू में पवित्रा ने एजाज के साथ रिश्ते के टूटने की वजह बताई थी। उनका कहना था कि एजाज ने उन्हें धर्म परिवर्तन कन्वर्ट कराने की कोशिश की थी। उनका कहना है कि उन्होंने एजाज को पहले ही मना कर दिया था कि वह इस्लाम नहीं कबूलेंगी। अब एजाज के स्पोक्सपर्सन ने एक्टर की तरफ से कहा है कि एक्ट्रेस के बयान से एजाज के परिवार पर गहरा असर पड़ा है क्योंकि उनके रिश्ते में कभी धर्म की मुद्दा था ही नहीं। एजाज के प्रवक्ता ने कहा कि एक्टर के पिता को उनके दोस्तों के फोन आ रहे हैं कि क्या उनके बेटे ने गर्लफ्रेंड को इस्लाम अपनाने के लिए कहा है? इस बात से वह बेहद दुखी हैं क्योंकि जब उन्हें एजाज और पवित्रा के रिश्ते के बारे में पता चला था तो वह सबसे ज्यादा खुश थे। आधिकारिक बयान में, एजाज के प्रवक्ता ने यह भी खुलासा किया कि उनके रिश्ते में धर्म कभी भी नहीं था और अब इसे घसीटा जा रहा है, जबकि खत्म हो गया है। दरअसल हाल ही कि इंटरव्यू में जब पवित्रा से पूछा गया कि क्या धर्म उनके ब्रेकअप का एक प्रमुख कारण था तो उन्होंने साफ तौर पर कहा नहीं बिल्कुल नहीं। धर्म कभी भी कोई समस्या नहीं थी और यह बात उन्होंने खुद अपने रिश्ते की शुरुआत में कही थी कि वह धर्म परिवर्तन नहीं करेगी। अब केवल धर्म परिवर्तन वाला हिस्सा ही लोग देख रहे हैं। बाकी चीजों पर गौर ही नहीं कर रहे।

दीपिका कक्कड़ ने फैंस को दी खुशखबरी, 4 साल बाद टीवी पर करेंगी धमाकेदार वापसी

टेलीविजन की दुनिया की मशहूर एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़, जो ससुराल सिमर का जैसे सुपरहिट शो से हर घर की चहेती बन गई थीं, एक बार फिर टीवी पर अपनी वापसी करने जा रही हैं। यह खबर सुनकर उनके फैंस बेहद खुश हैं। दीपिका ने अपने हालिया व्लॉग में इस बड़ी खबर का खुलासा किया और फैंस को बताया कि वह जल्द ही एक नया प्रोजेक्ट लेकर स्क्रीन पर नजर आने वाली हैं। दीपिका कक्कड़ ने अपने पति, एक्टर शोएब इब्राहिम से 2018 में शादी की थी। इसके बाद, 2023 में कपल ने अपने पहले बेटे का स्वागत किया। बेटे के जन्म के बाद दीपिका ने अपने परिवार को प्राथमिकता देने के लिए एक्टिंग से ब्रेक ले लिया था। इस दौरान उन्होंने अपने बेटे की परवरिश पर ध्यान दिया और अपने बिजनेस पर फोकस किया। दीपिका ने हाल ही में अपना एक क्लोदिंग ब्रांड लॉन्च किया था, जिसे उनके फैंस ने काफी पसंद किया। दीपिका ने अपने व्लॉग में बताया कि उन्होंने अपने कमबैक की तैयारी शुरू कर दी है। व्लॉग में वह मेकअप रूम से शूटिंग करते हुए नजर आईं और फैंस को यह खुशखबरी दी। दीपिका ने कहा, मैंने शूटिंग शुरू कर दी है और जल्द ही कुछ नया लेकर टीवी पर आ रही हूं। फिलहाल मैं ज्यादा जानकारी नहीं दे सकती, लेकिन मैं इसे आप सभी के साथ साझा करने का इंतजार कर रही हूं।'' दीपिका के कमबैक की खबर के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि वह मास्टरशेफ इंडिया के नए सीजन में नजर आ सकती हैं। इस बार शो में सेलेब्रिटीज को बतौर कंटेस्टेंट शामिल करने की योजना है, और खबरों के मुताबिक दीपिका को इसके लिए अप्रोच किया गया है। दीपिका अक्सर अपने व्लॉग्स में शानदार रेसिपी बनाते हुए नजर आती हैं, जिससे उनके फैंस उनकी कुकिंग स्किल्स से पहले ही परिचित हैं। ऐसे में यह कयास लगाया जा रहा है कि दीपिका इस रिएलिटी शो में अपने कुकिंग टैलेंट का जलवा दिखा सकती हैं। दीपिका के फैंस लंबे समय से उनकी वापसी का इंतजार कर रहे थे। 'ससुराल सिमर का' जैसे शोज से दीपिका ने अपनी खास पहचान बनाई थी। अब जब दीपिका ने अपनी वापसी की पुष्टि की है, तो उनके फैंस बेहद उत्साहित हैं और उन्हें एक बार फिर स्क्रीन पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

पाकिस्तानी सट्टेबाजी वेबसाइट से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने मल्लिका शेरावत और पूजा बनर्जी से पूछताछ की

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कुछ पाकिस्तानी नागरिकों के स्वामित्व वाली एक सट्टेबाजी वेबसाइट से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बॉलीवुड स्टार मल्लिका शेरावत और पूजा बनर्जी नामक एक टीवी कलाकार का बयान दर्ज किया है, जिसने पुरुषों के टी20 विश्व कप मैचों का श्अवैधश प्रसारण भी किया था। जांच एजेंसी ने पिछले सप्ताह पोर्टल मैजिकविन के खिलाफ जांच के तहत दिल्ली, मुंबई और पुणे में इस मामले में नए सिरे से तलाशी ली थी। सूत्रों ने कहा कि एजेंसी ने शेरावत और टीवी कलाकार पूजा बनर्जी से इस मामले में कुछ सवालों के जवाब ईमेल या आधिकारिक प्रतिनिधि के माध्यम से देने को कहा था। उन्होंने कहा कि 48 वर्षीय शेरावत ने पिछले सप्ताह ईडी के अहमदाबाद कार्यालय में एक अधिकृत प्रतिनिधि और ईमेल के माध्यम से अपने जवाब भेजकर अपना बयान दर्ज कराया, जबकि बनर्जी ने जांच अधिकारी (आईओ) के समक्ष गवाही दी और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत अपना बयान दर्ज कराया। शेरावत ने कई हिंदी फिल्मों में काम किया है, जबकि बनर्जी ने टीवी सीरीज कुमकुम भाग्य में अहम भूमिका निभाई है। सूत्रों के अनुसार, दोनों ने मैजिकविन से संबंधित कुछ प्रचार गतिविधि की है और प्रथम दृष्टया वे इस मामले में आरोपी नहीं पाए गए हैं। एजेंसी जल्द ही इस मामले में कुछ और अभिनेताओं और मशहूर हस्तियों से पूछताछ कर सकती है। मनी लॉन्ड्रिंग का मामला गुजरात में अहमदाबाद पुलिस की साइबर क्राइम यूनिट द्वारा दर्ज की गई एफआईआर पर आधारित है। एजेंसी के अनुसार, मैजिकविन एक श्सट्टेबाजीश वेबसाइट है, जिसे गेमिंग पोर्टल के रूप में छिपाया गया है, जिसका वास्तव में स्वामित्व पाकिस्तानी नागरिकों के पास है। इसने कहा कि इस वेबसाइट का संचालन ज्यादातर दुबई में काम करने वाले या बसे भारतीय नागरिकों द्वारा किया जाता है। इसने कहा, वेबसाइट पर दिखाए जा रहे सट्टेबाजी के खेल मूल रूप से फिलीपींस और अन्य देशों में खेले जाते हैं, जो सट्टेबाजी गतिविधियों की अनुमति देते हैं। ईडी ने दावा किया कि उसकी जांच में पाया गया कि खिलाड़ियों/दांव लगाने वालों द्वारा बैंक खातों में जमा किए गए पैसे को शेल और म्यूल बैंक खातों के माध्यम से डायवर्ट किया गया था और मालिकों के लाभ वाले हिस्से को क्रिप्टो परिसंपत्तियों में निवेश किया गया था, नकद में निकाला गया था या हवाला चौनलों के माध्यम से दुबई भेजा गया था। खिलाड़ियों/दांव लगाने वालों की जीत की रकम को भुगतान गेटवे के साथ बनाए गए विभिन्न शेल कंपनियों के मर्चेंट खातों के माध्यम से उनके बैंक खातों में स्थानांतरित कर दिया गया था। इन राशियों को घरेलू मनी ट्रांसफर के माध्यम से भी खिलाड़ी के बैंक खाते में स्थानांतरित किया गया था, यह कहा। इन सट्टेबाजी वेबसाइटों द्वारा उत्पन्न लाभ खिलाड़ियों द्वारा किए गए कुल जमा का 50 प्रतिशत से अधिक है, यह कहा।

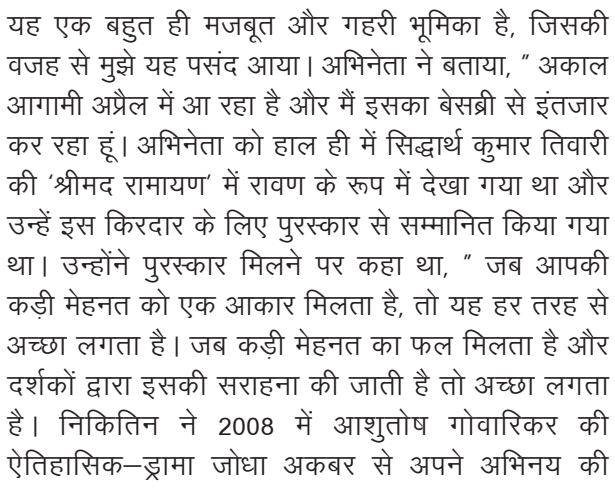

निकितिन धीर ने साल 2024 को बताया शानदार, बोले– 'काम के हिसाब से रहा अच्छा

साल 2024 खत्म होने को है। इस बीच अभिनेता निकितिन धीर ने अपने काम को लेकर बात की और बताया कि यह साल बहुत संतोषजनक रहा। काम को लेकर अभिनेता ने महादेव के प्रति आभार भी जताया। दिग्गज अभिनेता पंकज धीर के बेटे अभिनेता 'अकाल' के साथ अपनी पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। अभिनेता ने बताया कि उन्होंने 'अकाल' को हां क्यों कहा? निकितिन ने कहा, यह गिप्पी ग्रेवाल और हंबल पिक्चर्स द्वारा बनाया जा रहा है, जो पंजाब का सबसे बड़ा नाम है और यह तथ्य कि यह एक बहुत ही मजबूत और गहरी भूमिका है, जिसकी वजह से मुझे यह पसंद आया। अभिनेता ने बताया, " अकाल आगामी अप्रैल में आ रहा है और मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। अभिनेता को हाल ही में सिद्धार्थ कुमार तिवारी की 'श्रीमद रामायण' में रावण के रूप में देखा गया था और उन्हें इस किरदार के लिए पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्होंने पुरस्कार मिलने पर कहा था, " जब आपकी कड़ी मेहनत को एक आकार मिलता है, तो यह हर तरह से अच्छा लगता है। जब कड़ी मेहनत का फल मिलता है और दर्शकों द्वारा इसकी सराहना की जाती है तो अच्छा लगता है। निकितिन ने 2008 में आशुतोष गोवारिकर की ऐतिहासिक–ड्रामा जोधा अकबर से अपने अभिनय की शुरुआत की थी, इसमें उन्होंने ऋतिक रोशन और ऐश्वर्या राय बच्चन के साथ अकबर के बहनोई शरीफुद्दीन हुसैन की भूमिका निभाई थी। इसके बाद वह रेडी, दबंग 2, हाउसफुल 3, गौतम नंदा, शेरशाह और सूर्यवंशी जैसी कई फिल्मों में नजर आए। सिनेमा के अलावा, उन्होंने छोटे पर्दे पर 'द्वारकाधीश भगवान श्री कृष्ण', 'नागार्जुन– एक योद्धा', 'इश्कबाज' और 'नागिन 3' में भी काम किया। साल 2013 में रिलीज हुई शाहरुख खान–दीपिका पादुकोण स्टारर 'चेन्नई एक्सप्रेस' से 'थंगाबल्ली' के रूप में मशहूर हुए अभिनेता ने अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट के बारे में भी बात की। अभिनेता ने बताया, "मेरे पास एक बहुत ही दिलचस्प फिल्म और एक मजेदार ओटीटी प्रोजेक्ट है, जिसे लेकर मैं काफी उत्साहित हूं।

दाल पानी पीने से बॉडी को मिलते हैं गजब के फायदे, वजन कंट्रोल करता

अक्सर देखा गया है कि दाल पानी पीना बच्चों के लिए सेहत के लिए अच्छा बताया गया है। लेकिन आप नहीं जानते होंगे कि बड़ों के लिए भी दाल पानी पीना काफी स्वास्थ्यवर्धक माना गया है। यह वजन को कंट्रोल करने में मदद करता है। इतना ही नहीं, बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने से लेकर एनर्जी और न्यूट्रिशन के लिए भी दाल का पानी हेल्थ के लिए फायदेमंद है।

दाल का पानी पीने के फायदे

पोषक तत्वों से भरपूर

दाल के पानी में कई सारे न्यूट्रिएंट्स होते हैं। प्रोटीन, फाइबर, विटामिन से लेकर मिनरल्स और इसके साथ ही दाल का पानी विटामिन बी, आयरन, मैग्नीशियम, पोटैशियम, जिंक से भरपूर होता है। ये सारे न्यूट्रिशन बॉडी को स्ट्रॉग बनाते हैं, इसके साथ ही इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है।

डाइजेशन बेहतर होता है

अगर आपका डाइजेशन खराब रहता है, तो प्रोटीन के साथ जरुरी न्यूट्रिशन के लिए दाल का पानी पी सकते हैं। हींग मिली हुई दाल पीने से बाउल सिस्टम सही होता है और पेट कब्ज दूर करना है।

वेट लॉस में मदद

अगर आप वजन घटना चाहते हैं तो आप रोजाना दाल का पानी पी सकते हैं। इसमें अधिक मात्रा में फाइबर और प्रोटीन पाया जाता है, जो पेट को भरा हुआ रखता है।

कोलेस्ट्रॉल और हार्ट डिसीज के लिए फायदेमंद

शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ गई है, तो रोजाना दाल का पानी पीने से फायदा होता है। दाल का पानी कोलेस्ट्रॉल को बढ़ने से रोकता है। इसके साथ ही हार्ट को हेल्दी रखता है।

एनर्जी मिलती

जो लोग दाल का पानी पीते हैं, उन्हें रोजाना दाल का पानी पीने से फायदा होता। दाल पानी पीने से शरीर को ऊर्जा मिलती है। जो शरीर को थकान और सुस्ती को दूर करता है।

डायबिटीज के लिए फायदेमंद

डायबिटीज रोगियों के लिए दाल का पानी पीना हेल्दी होता है। दाल के पानी में लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है, जो डायबिटीज मरीजों के लिए फायदेमंद है।

सर्दियों में चेहरे का कालापन दूर करने के आसान घरेलू उपाय

ठंड के मौसम में कई लोगों को यह समस्या होती है कि उनका चेहरा काला और रूखा नजर आने लगता है। इसके पीछे मुख्य कारण है त्वचा की सही देखभाल न करना। सर्दियों में ठंडी हवा और रूखी त्वचा की वजह से चेहरे की चमक कम हो जाती है, जिससे आत्मविश्वास पर भी असर पड़ता है। लेकिन चिंता न करें, ब्यूटी एक्सपर्ट रेनू माहेश्वरी ने एक ऐसा आसान घरेलू उपाय बताया है, जिसकी मदद से आप अपनी त्वचा का कालापन दूर कर सकती हैं और चेहरे पर फिर से निखार ला सकती हैं।

मुल्तानी मिट्टी का जादुई फेस पैक

ब्यूटी एक्सपर्ट रेनू माहेश्वरी के अनुसार, मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक त्वचा के कालेपन को साफ करने में बेहद उपयोगी साबित हो सकता है। मुल्तानी मिट्टी में एंटी–बैक्टीरियल, एंटी–एजिंग और एंटीसेप्टिक गुण पाए जाते हैं, जो त्वचा को साफ और कोमल बनाते हैं। इसे नींबू का रस, दही और ग्लिसरीन के साथ मिलाकर इस्तेमाल करने से बेहतरीन परिणाम मिलते हैं।

फेस पैक बनाने के लिए जरूरी सामग्री

4 छोटे चम्मच मुल्तानी मिट्टी

2 छोटे चम्मच नींबू का रस

4 छोटे चम्मच दही

1 छोटा चम्मच ग्लिसरीन

फेस पैक बनाने और लगाने का तरीका

एक बाउल में 4 छोटे चम्मच मुल्तानी मिट्टी लें। इसमें 2 छोटे चम्मच नींबू का रस डालें और अच्छे से मिक्स करें। अब इसमें 4 छोटे चम्मच दही डालें और फिर 1 छोटा चम्मच ग्लिसरीन मिलाएं। इन सभी सामग्रियों को अच्छे से मिलाकर एक पेस्ट तैयार कर लें। इस पेस्ट को अपने चेहरे पर अच्छे से अप्लाई करें। इसे 30 मिनट तक सूखने दें। 30 मिनट बाद चेहरे को गुलाब जल की मदद से हल्के हाथों से साफ करें। इसके बाद गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

कितनी बार करें इस्तेमाल?

इस फेस पैक का इस्तेमाल हफ्ते में 2 से 3 बार करें। कुछ ही दिनों में आपकी त्वचा में फर्क नजर आने लगेगा और चेहरा पहले से ज्यादा साफ और चमकदार दिखेगा।

मुल्तानी मिट्टी के फायदे

त्वचा को डिटॉक्स करता है

मुल्तानी मिट्टी त्वचा के रोमछिद्रों में जमी गंदगी और टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करती है। यह त्वचा को गहराई से साफ करती है, जिससे चेहरे पर एक प्राकृतिक चमक आती है। इसके नियमित इस्तेमाल से ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स की समस्या भी कम हो जाती है। जब त्वचा के अंदर जमी गंदगी बाहर निकलती है, तो त्वचा को सांस लेने का मौका मिलता है, जिससे यह अधिक स्वस्थ और जवां दिखने लगती है। डिटॉक्सिफिकेशन प्रक्रिया त्वचा को लंबे समय तक फ्रेश और चमकदार बनाए रखने में सहायक होती है।

तेल नियंत्रित करता है

मुल्तानी मिट्टी अतिरिक्त तेल को सोखने में बेहद प्रभावी है, जिससे चेहरा कम ऑयली लगता है। तैलीय त्वचा वाले लोगों के लिए यह एक प्राकृतिक उपाय है क्योंकि यह सीबम प्रोडक्शन को नियंत्रित करता है। सीबम के नियंत्रित होने से त्वचा पर पिंपल्स और मुहांसे होने की संभावना भी कम हो जाती है। यह त्वचा को हल्का और साफ महसूस करवाती है। जिनकी त्वचा बार–बार तैलीय हो जाती है, उनके लिए मुल्तानी मिट्टी एक आदर्श उपाय है।

डार्क स्पॉट्स को हल्का करता है

मुल्तानी मिट्टी के नियमित इस्तेमाल से चेहरे पर मौजूद काले धब्बे, पिगमेंटेशन और दाग–धब्बे धीरे–धीरे हल्के होने लगते हैं। इसमें मौजूद प्राकृतिक गुण त्वचा को एक समान टोन देते हैं। इसके अलावा, यह त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाने में भी मदद करती है, जिससे त्वचा अधिक कोमल और उजली दिखाई देती है। पिगमेंटेशन की समस्या से जूझ रहे लोगों के लिए मुल्तानी मिट्टी एक बेहतरीन घरेलू उपाय साबित हो सकती है।

सावधानियां

पैच टेस्ट करें: मुल्तानी मिट्टी के फेस पैक का इस्तेमाल करने से पहले इसे अपनी त्वचा पर एक छोटे हिस्से में लगाकर टेस्ट करें।

त्वचा के अनुसार इस्तेमाल करें: अगर आपकी त्वचा बहुत ज्यादा ड्राई है, तो ग्लिसरीन की मात्रा थोड़ा बढ़ा सकते हैं।

एक्सपर्ट की सलाह लें: अगर आपको त्वचा की कोई समस्या है, तो किसी ब्यूटी एक्सपर्ट या डर्मेटोलॉजिस्ट से सलाह जरूर लें।

नोट: यह घरेलू नुस्खा पूरी तरह से प्राकृतिक सामग्री पर आधारित है। इसे अपनाकर आप अपने चेहरे का काला पन कम कर सकती हैं और सर्दियों में अपनी त्वचा को हेल्दी और चमकदार बना सकती हैं।

गर्मा–गर्म परांठों के साथ पी रहे चाय का गिलास तो पढ़ लें, ये स्वाद सेहत पर भारी

ऐसे बहुत से भारतीय परिवार हैं जो सुबह ब्रेकफास्ट के समय चाय–परांठा खाना पसंद करते हैं। सर्दी के मौसम में स्टफ पराँठे के साथ चाय पीना बहुत से लोगों का फेवरेट ब्रेकफास्ट है। हैवी ब्रेकफास्ट पसंद करने वाले लोगों के लिए तो यह पंसदीदा नाश्ता है लेकिन क्या चाय के साथ परांठे का सेवन हैल्दी है तो बता दें कि चाय और परांठे का कॉम्बिनेशन, सेहत के लिए हानिकारक है। न्यूट्रिशनिस्ट की मानें तो चाय और परांठे का सेवन एक साथ करने से हैल्थ को एक नहीं कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। अगर आप भी परांठे के साथ चाय पीने के शौकीन हैं तो एक बार इसके नुकसान जरूर पढ़ लें।

सारा दिन गैस–एसिडिटी की समस्या

अगर आप भरवां परांठे के साथ चाय पीते हैं तो आपको सारा दिन एसिडिटी का दर्द लेना पड़ेगा। इसके अलावा सूजन और एसिड रिफ्लक्स की समस्या हो सकती हे। ऐसा इसलिए क्योंकि चाय, पेट में एसिड बेस बैलेंस को खराब कर देती है और जब आप साथ में आप तेल–घी में तला परांठा खाते हैं तो यह बेलेंस और बिगड़ जाता है और पेट खराब होता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह उन आहार संबंधी गलतियों में से एक है जो कई लोग अनजाने में करते हैं लेकिन इससे बचना चाहिए। चाय में मौजूद कैफीन एसिड बढ़ाता है इसलिए, खाली पेट चाय पीने से शरीर का पीएच बैलेंस बिगड़ जाता है, इससे अपच और हार्ट बर्न की समस्या हो सकती है।

एनीमिया की समस्या

चाय और परांठा एक साथ खाने वाले लोगों को एनीमिया की दिक्कत हो सकती है। अध्ययन के अनुसार, चाय में मौजूद फेनोलिक केमिकल के कारण पेट की परत में आयरन कॉम्प्लेक्स विकसित होते हैं, जिससे आयरन का अवशोषण रूक जाता है इसलिए भोजन के साथ चाय का सेवन नहीं करना चाहिए, खासकर उन लोगों को जिन्हें आयरन की कमी के कारण एनीमिया है। एनीमिया यानि आपके शरीर में खून की कमी है।

शरीर को नहीं मिलते पोषक तत्व

चाय में मौजूद टैनिन, प्रोटीन के साथ मिलकर शरीर में उनके अवशोषण को रोकता है और एंटी–न्यूट्रिएंट्स के रूप में कार्य करते हैं। एक अध्ययन के अनुसार, टैनिन, प्रोटीन के पाचन को 38प्रतिशत तक धीमा कर देता है। इसका मतलब यह है कि आप जितने भी पोषक तत्व लेते हैं, चाय का सेवन करने से शरीर ठीक तरह से इनका उपयोग नहीं कर पाता। चाय शरीर द्वारा पोषक तत्वों के उपयोग को रोकती है, इसलिए चाय परांठे के साथ खाने के लिए आदर्श पेय नहीं हो सकती है।

चाय की सेवन कब करना चाहिए?

अगर आप चाय के शौकीन है और चाय पीए बिना नहीं रह पाते तो खाना खाने के कम से कम 45 मिनट बाद ही इसका सेवन करें। नाश्ते या दोपहर के भोजन के एक घंटे बाद आप स्नैक्स के साथ चाय की चुस्की का मजा ले सकते हैं।

चाय से पहले क्या पीना चाहिए?

अगर आपको चाय पीने के बाद एसिड बनने की समस्या रहती है। सीने में जलन होती है तो चाय या कॉफी पीने से पहले पानी पीना चाहिए।

बांसी मुंह पानी पीने के कितनी देर बाद चाय पीना चाहिए?

बासी मुंह पानी पीने के 10–15 मिनट बाद आप चाय का सेवन कर सकते हैं।

सुबह उठकर सबसे पहले क्या पीना चाहिए?

शरीर के नेचुरल सिस्टम के एक्टिव बनाने के लिए सुबह उठकर सबसे पहले पानी पीना फायदेमंद है। इससे मेटाबॉलिज्म बढ़ाता है। पाचन बेहतर होता है। अगर आप सुबह भरपूर पानी पी लेते हैं तो इससे ऊर्जा का लेवल ठीक बना रहता है और दिनभर एनर्जेटिक फील करते हैं।

ज्यादा चाय पीने के नुकसान

बहुत ज्यादा चाय पीने से कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं, जैसे

चाय पीने से दांतों में पीलापन और कैविटी की समस्या हो सकती है।

ज्यादा चाय पीने से शरीर में डिहाइड्रेशन और गैस–एसिडिटी हो सकती है।

चाय में मौजूद टैनिन, पाचन तंत्र में आयरन के अवशोषण को कम कर सकते हैं।

चाय पीने से नींद में परेशानी हो सकती है।

क्या फेस वॉश करने के बाद चेहरा हो जाता है ड्राई, चेहरे पर लगाएं ये फेस पैक, स्किन होगी ग्लोइंग

विंटर के दौरान फेस क्लीन करने से स्किन ड्राई हो जाती है। जिसके बाद लड़के–लड़कियां स्किन केयर के कई प्रोडक्ट्स को फेस पर अप्लाई करते रहते हैं। सुबह–सुबह फेस वॉश करने से स्किन ड्राई हो जाती है। स्किन के नेचुरल ऑयल नहीं खोना चाहती है और स्किन को मुलायम बनाना चाहती हैं तो फेस वॉश के लिए किसी भी केमिकल वाले प्रोडक्ट का यूज कर सकते हैं। आप इस होममेड फेस पैक का यूज करें।

सामग्री

–चावल का आटा

– हल्दी पाउडर

– दही

कैसे बनाएं फेस पैक

– सबसे पहले आप चावल को मिक्सी में पीसकर पाउडर बना लें। फिर इसे छन्नी की मदद से छान लें। फिर आप इस पाउडर में एक चौथाई हल्दी मिलाकर अपने बाथरुम एक डिब्बे में बंद करके रख लें।

कैसे लगाएं फेस पैक

– आपको यह रोज लगाना है। इसे लगाने के लिए आप एक चम्मच दही लें और उसमें तैयार चावल के आटे को मिक्स करें।

–फिर चेहरे पर लगा लें और 5 मिनट के लिए मसाज करते हुए छोड़ दें। जब ड्राई हो जाए पानी से मुंह धो लें।

–आप फेसवॉश की बजाय इस फेस पैक से चेहरे को धो लें। इससे स्किन शाइनी और मुलायम होगी।

संक्षिप्त

शेयर मार्केट में मचा हाहाकार, सेंसेक्स में 1100 अंक की आई गिरावट

अमेरिकी बाजार में बड़ी गिरावट बुधवार को देखने को मिली है, जिसका असर है भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ने लगा है। भारतीय शेयर बाजार में सेंसेक्स 1100 अंक नीचे गिर गया है। बुधवार रात को अमेरिकी शेयर बाजार में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। अमेरिकी फेडरल बैंक ने रीड में कटौती का ऐलान किया है जिसके बाद शेयर बाजार में यह गिरावट देखने को मिली थी। अमेरिकी बाजार का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी हो रहा है और सेंसेक्स लुढ़क गया है। सेंसेक्स में 1100 और निफ्टी में 400 अंक की गिरावट देखने को मिली है। घरेलू बाजारों सेंसेक्स और निफ्टी में बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अगले साल ब्याज दरों में कम कटौती के संकेत के बाद कमजोर वैश्विक रुख का असर बाजारों पर पड़ा। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 1,162.12 अंक की गिरावट के साथ 79,020.08 अंक पर आ गया। वहीं एनएसई निफ्टी 328.55 अंक फिसलकर 23,870.30 अंक पर रहा। सेंसेक्स में सूचीबद्ध सभी 30 कंपनियों के शेयर नुकसान में रहे। इंफोसिस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट आई। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग, चीन का शंघाई कम्पोजिट और जापान का निक्की नुकसान में रहे। गौरतलब है कि अमेरिकी बाजार बुधवार को नकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ 73.10 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,316.81 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

सेबी ने उठाया बड़ा कदम, 19 लाख फॉलोअर्स वाले ल्वनज्नइमत पर लगाया 9.5 करोड़ रुपये का जुर्माना

भारत के प्रतिभूति बाजार नियामक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने यूट्यूबर रवींद्र बालू भारती के खिलाफ एक्शन लिया है। इस एक्शन के जरिए सेबी ने यूट्यूबर रवींद्र बालू भारती और उनकी फर्म रवींद्र भारती एजुकेशन इंस्टीट्यूट के खिलाफ अनरजिस्टर्ड निवेश सलाहकार बिजनेस चलाने के लिए निर्णायक कार्रवाई की है। सेबी ने उन्हें 4 अप्रैल, 2025 तक सिक्योरिटिज मार्केट में प्रवेश करने से प्रतिबंधित कर दिया है और उन्हें 9.5 करोड़ रुपये वापस करने का निर्देश दिया है। सेबी की जांच में पाया गया कि रवींद्र बालू भारती और उनकी कंपनी ने गैर–पंजीकृत निवेश सलाह, व्यापार अनुशंसाओं और निष्पादन सेवाओं के जरिए अनुभवहीन निवेशकों को शेयर बाजार में फंसाया। भारती के दो यूट्यूब चौनलों पर 19 लाख से अधिक सब्सक्राइबर हैं। उन्होंने अपने अनुयायियों को जोखिम भरे निवेश को बढ़ावा देने के लिए अपने प्रभाव का लाभ उठाया है। कंपनी ने ''उच्च रिटर्न'' का विपणन किया, जबकि इससे संबंधित जोखिमों का खुलासा नहीं किया तथा आवश्यक सेबी पंजीकरण के बिना परिचालन किया। उन्होंने चालाकीपूर्ण रणनीति अपनाई, जैसे कि अलग–अलग निवेशकों को कई निवेश योजनाएं बेचना, जिससे उनकी निर्णय लेने की स्वायत्तता सीमित हो गई। सेबी के आदेश में इस बात पर जोर दिया गया है कि भारती की कंपनी ने प्रतिभूति कानूनों का उल्लंघन किया है और ग्राहकों के सर्वोत्तम हितों को प्राथमिकता देने के अपने कर्तव्य को पूरा करने में विफल रही है। वित्तीय दंड और पुनर्भुगतान आदेश के अलावा, सेबी ने भारती, उनकी कंपनी और कई सहयोगियों पर अप्रैल 2025 तक किसी भी प्रतिभूति बाजार गतिविधि में शामिल होने पर प्रतिबंध लगा दिया है। उन्हें उचित सेबी पंजीकरण के बिना निवेश सलाहकार सेवाएं देने से भी प्रतिबंधित किया गया है। भारती और उनके सहयोगियों पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। सेबी द्वारा की गई यह कार्रवाई प्रतिभूति बाजार में बिना उचित प्राधिकरण के काम करने वाले और धोखाधड़ी वाली गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों और संस्थाओं के खिलाफ एक मजबूत निवारक के रूप में कार्य करती है।

स्पाइसजेट ने जेनेसिस के साथ 1.6 करोड़ डॉलर से अधिक का विवाद सुलझाया, एयरलाइन को मिलेगा यह फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय एयरलाइन स्पाइसजेट ने वाणिज्यिक विमान पट्टे पर देने वाली कंपनी डबलिन स्थित जेनेसिस एयरक्राफ्ट सर्विसेज के साथ 1.6 करोड़ अमेरिकी डालर से अधिक के विवाद का निपटारा कर लिया है। कंपनी ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। एयरलाइन ने कहा कि समझौते के तहत, स्पाइसजेट जेनेसिस को 60 लाख डालर का भुगतान करेगी और जेनेसिस 100 रुपये प्रति शेयर के मूल्य पर 40 लाख डॉलर के स्पाइसजेट इक्विटी का अधिग्रहण करेगी। एयरलाइन के अनुसार इस समझौते से एयरलाइन को महत्वपूर्ण बचत भी होगी, और यह दीर्घकालिक विकास की ओर बढ़ेगा। जेनेसिस के साथ समझौता स्पाइसजेट की वित्तीय स्थिरता बहाल करने, परिचालन में लचीलापन हासिल करने और कानूनी देनदारियों को कम करने की प्रतिबद्धता के तहत उठाया गया है। समझौते के तहत, दोनों पक्ष उचित मंचों पर इस मामले से संबंधित सभी मुकदमों और विवादों को सुलझाने पर सहमत हुए हैं। स्पाइसजेट के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने कहा, यह समझौता वित्तीय स्थिरता की दिशा में हमारी यात्रा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। हमें रचनात्मक बातचीत के माध्यम से जेनेसिस के साथ इस मामले को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने की खुशी है। यह समझौता, जिसमें जेनेसिस स्पाइसजेट में इक्विटी हिस्सेदारी हासिल करेगा, हमारी वित्तीय देनदारियों को काफी कम करेगा और हमारी बैलेंस शीट को और मजबूत करेगा। यह समझौता अन्य पट्टेदारों जैसे होराइजन एविएशन, इंजन लीज फाइनेंस कॉरपोरेशन, एयरकैसल, विलमिंगटन ट्रस्ट एसपी, शैनन इंजन सपोर्ट लिमिटेड, एक्सपोर्ट डेवलपमेंट कनाडा के साथ सफल समाधानों की एक शृंखला के बाद हुआ है।

उसे अपमानित किया जा रहा था, संन्यास पर आया अश्विन के पिता का चौंकाने वाला बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के महान स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया। उनके अचानक लिए गए इस फैसले ने सभी को हैरान कर दिया। इस बीच 38 वर्षीय स्पिनर के पिता ने चौंकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने कहा कि उसे प्रताड़ित किया जा रहा था। अश्विन के पिता के इस बयान ने भारतीय टीम मैनेजमेंट को कटघरे में खड़ा कर दिया है। भारत के लिए 106 टेस्ट मैचों में 537 विकेट ले चुके दिग्गज स्पिनर ने गाबा टेस्ट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया। उन्होंने मैच के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने फैसले की जानकारी दी। इस दौरान कप्तान रोहित शर्मा भी उनके साथ मौजूद थे। दाएं हाथ के इस गेंदबाज ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अचानक संन्यास लेकर सभी को हैरान कर दिया। प्रशंसकों की तरह उनके पिता को भी इस बात का अंदाजा नहीं था कि वह क्रिकेट के तीनों प्रारूपों को पीछे छोड़ देंगे। अश्विन के पिता रविचंद्रन ने सीएनएन न्यूज 18 को दिए एक खास इंटरव्यू में बेटे के संन्यास पर खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बताया कि उन्हें भी आखिरी समय में ही बेटे के संन्यास के विषय में पता चला। उन्होंने कहा– मुझे भी आखिरी मिनट में पता चला। उनके दिमाग में क्या चल रहा था, मुझे नहीं पता। उन्होंने बस घोषणा कर दी। मैंने भी इसे पूरी खुशी के साथ स्वीकार कर लिया। लेकिन जिस तरह से उन्होंने संन्यास की घोषणा की, उससे एक तरफ मैं बहुत खुश था, दूसरी तरफ खुश नहीं था क्योंकि उन्हें खेलना जारी रखना चाहिए था। इस दौरान वह कोई पुख्ता कारण नहीं बता सके जिसकी वजह से दुनिया के सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट चटकाने वालों की लिस्ट में शुमार अश्विन ने संन्यास का निर्णय लिया। हालांकि, रविचंद्रनन ने इशारों–इशारों में बताया कि शानदार रिकॉर्ड के बावजूद प्लेइंग इलेवन में नियमित जगह नहीं मिलना उनके लिए अपमानजनक रहा होगा। उन्होंने कहा, (संन्यास लेना) उनकी (अश्विन की) इच्छा और चाहत है, मैं इसमें दखल नहीं दे सकता। लेकिन जिस तरह से उन्होंने यह फैसला लिया, उसके कई कारण हो सकते हैं। केवल अश्विन ही जानते हैं, शायद अपमान के कारण ऐसा हुआ हो। अश्विन के संन्यास के बाद रोहित शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में खुलासा किया था कि उन्हें दिग्गज स्पिनर के फैसले के बारे में तब पता चला जब वह पर्थ पहुंचे थे। लेकिन हिटमैन ने ही उन्हें एडिलेड डे नाइट टेस्ट तक इसकी घोषणा नहीं करने के लिए मनाया था। अश्विन के इस फैसले ने प्रशंसकों के साथ–साथ उनके परिवार को भी हैरान कर दिया। उनके पिता ने आगे कहा– निश्चित रूप से, इसमें कोई संदेह नहीं है (परिवार के लिए भावुक होना), क्योंकि वह 14–15 साल तक मैदान पर था। अचानक हुए बदलाव – रिटायरमेंट – ने हमें वाकई चौंका दिया। साथ ही, हम इसकी उम्मीद भी कर रहे थे क्योंकि अपमान हो रहा था। वह कब तक उन सभी चीजों को बर्दाश्त कर सकता है? शायद, उसने खुद ही फैसला किया होगा। 38 वर्षीय इस खिलाड़ी ने मौजूदा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सिर्फ एक मैच खेला। अश्विन को पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच के लिए प्लेइंग–11 में मौका नहीं दिया गया था, जबकि वह एडिलेड में खेले गए पिंक बॉल टेस्ट के लिए टीम में शामिल थे जो उनके करियर का अंतिम मैच रहा। तीसरे टेस्ट में अश्विन की जगह रवींद्र जडेजा को मौका दिया गया था।

चैंपियंस ट्रॉफी: पाकिस्तान से भी किसी तटस्थ स्थान पर भिड़ेगा भारत, 2027 तक लागू रहेगा नियम, ICC ने की पुष्टि

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन अगले साल फरवरी और मार्च में होना है। गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने साफ कर दिया कि भारत और पाकिस्तान के सभी मुकाबले न्यूट्रल वेन्यू (तटस्थ स्थल) पर खेले जाएंगे। इसका अर्थ है कि अब दोनों टीमें किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट में एक–दूसरे के देश के दौरे पर नहीं जाएंगी और दोनों टीमों के बीच किसी तटस्थ स्थान पर मुकाबले खेले जाएंगे। यह नियम 2024–2027 तक लागू रहेगा। इससे एक बात साफ हो गई है कि चौंपियंस ट्रॉफी का आयोजन हाइब्रिड मॉडल में ही होगा।

इन टूर्नामेंट में लागू रहेगा नियम

आईसीसी ने बताया कि 2024–27 के बीच किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के मुकाबले तटस्थ स्थल पर खेले जाएंगे। यह नियम आगामी चौंपियंस ट्रॉफी, महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 (भारत की मेजबानी) और पुरुष टी20 विश्व कप 2026 (भारत और श्रीलंका करेंगे मेजबानी) पर लागू रहेगा। इसके अलावा आईसीसी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को 2028 में होने वाले महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी के अधिकार दिए हैं। इस दौरान भी भारत और पाकिस्तान के मुकाबले न्यूट्रल वेन्यू यानी तटस्थ स्थल पर ही खेले जाएंगे।

जल्द होगा चौंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम का एलान

आईसीसी ने अब तक चौंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम की पुष्टि नहीं की है। आईसीसी ने बताया कि जल्दी ही आगामी टूर्नामेंट के कार्यक्रम का एलान किया जाएगा। माना जा रहा है कि भारत के सभी मुकाबले दुबई में खेले जा सकते हैं। इस टूर्नामेंट में कुल आठ टीमें शामिल होंगी जिनमें भारत और पाकिस्तान के अलावा अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका हैं।

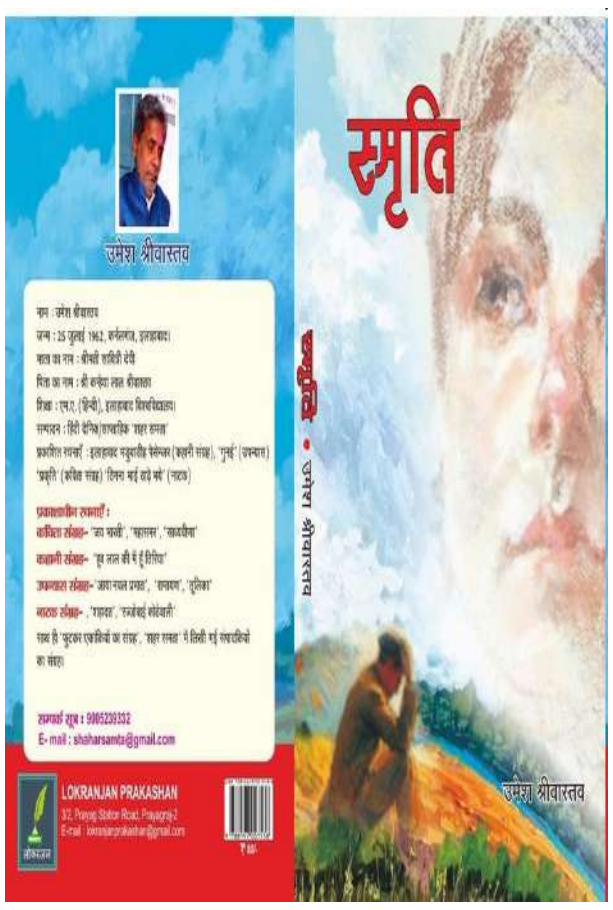

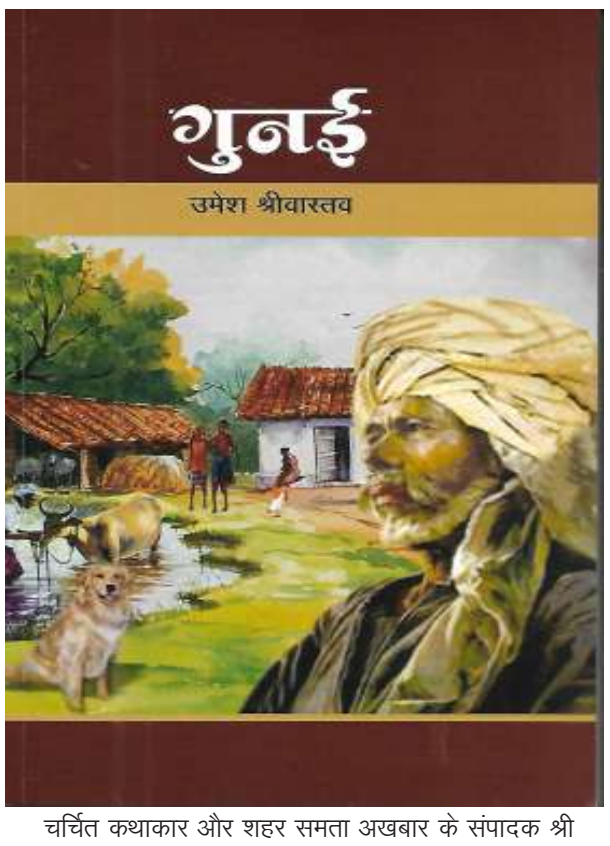

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

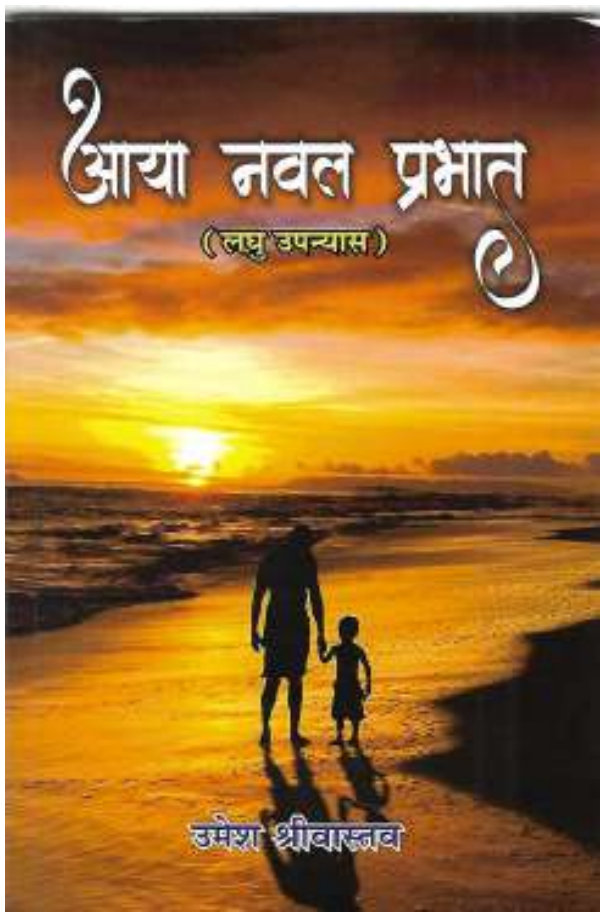

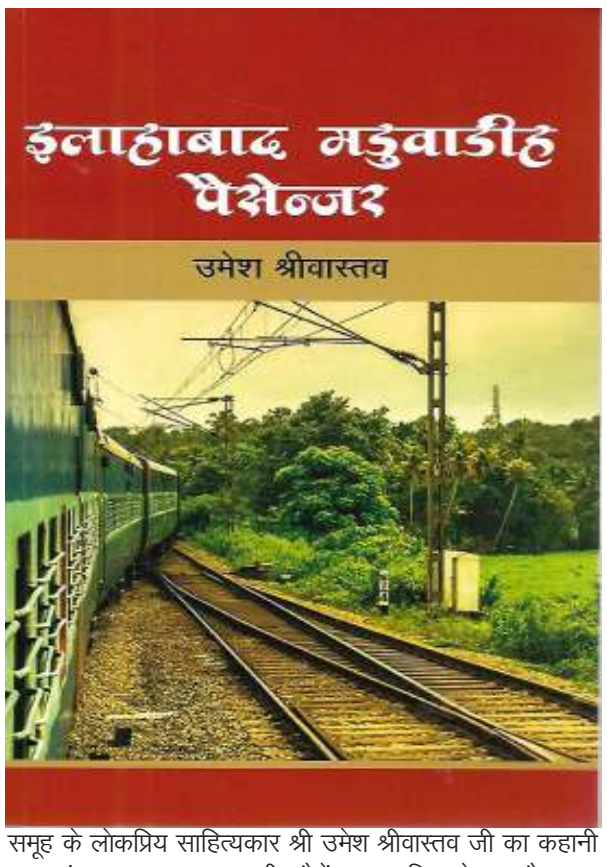

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

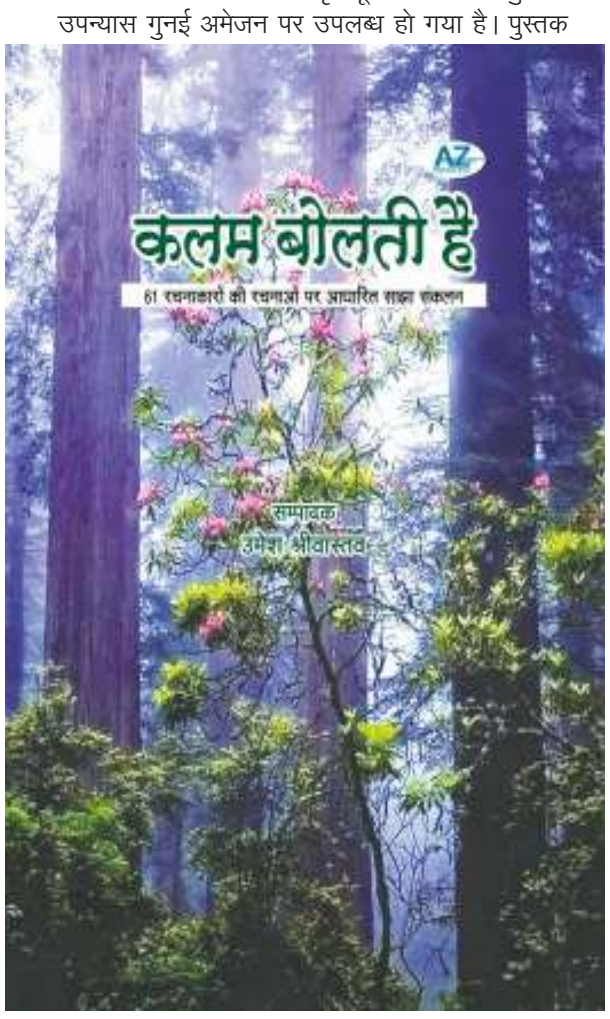

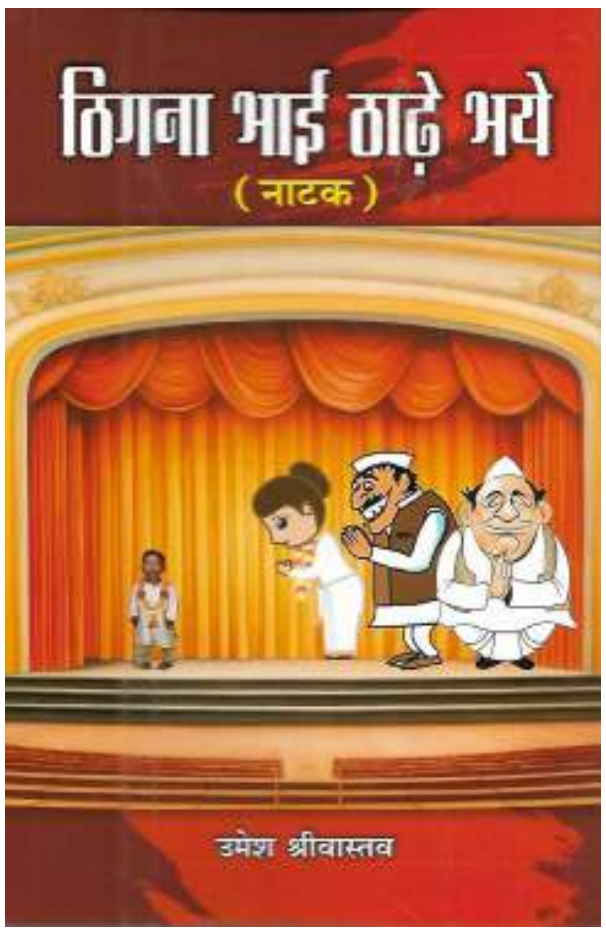

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

जेलेंस्की ने की नाटो प्रमुख-फ्रांसीसी राष्ट्रपति से मुलाकात, वायु रक्षा क्षमता बढ़ाने पर चर्चा

ब्रसेल्स (बेल्जियम), एजेंसी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने नाटो प्रमुख मार्क रुटे और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ बैठक की। इस बैठक का मकसद यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली को मजबूत करना था और रूस-यूक्रेन संघर्ष के बीच यूरोप को एकजुट करना था, ताकि यूक्रेन को और ज्यादा समर्थन मिल सके।

नाटो प्रमुख से मुलाकात पर क्या बोले यूक्रेनी राष्ट्रपति

जेलेंस्की ने ब्रसेल्स में रुटे के साथ बैठक में यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली को मजबूत करने पर फोकस किया। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि उनके सहयोगियों ने यूक्रेन के लिए प्रभावी सुरक्षा गारंटी सुनिश्चित करने के लिए काम करने की इच्छा जताई है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, 'ब्रसेल्स में नाटो महासचिव रुटे के साथ एक महत्वपूर्ण और बहुत सार्थक बैठक हुई। हमारी बातचीत यूक्रेन के लिए वायु रक्षा प्रणाली को मजबूत करने और शांति सुनिश्चित करने पर केंद्रित थी, जिसे हासिल करने के लिए हम मिलकर काम कर रहे हैं।'

जेलेंस्की बोले- यूरोप को एकजुट होने की जरूरत

उन्होंने आगे कहा, हम नाटो प्रमुख और हमारे सभी साझेदारों का धन्यवाद करते हैं कि वे हमारे वायु रक्षा कवच को बढ़ाने और प्रभावी सुरक्षा गारंटी के लिए मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं। नाटो गठबंधन यह सुनिश्चित करने के लिए सबकुछ करेगा कि जब हम सक्रिय कूटनीति की ओर बढ़ें तो यूक्रेन की स्थिति मजबूत हो। जेलेंस्की ने यह भी कहा, यूरोप को मजबूत और एकजुट होने के जरूरत है, ताकि स्थायी शांति सुनिश्चित की जा सके। यूरोप को प्रभावित करने वाले हर मूलभूत मुद्दे के लिए यूरोपीय देशों को मिलकर काम करने की जरूरत है।

इन देशों के प्रमुखों से भी मुलाकात करेंगे जेलेंस्की

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि इस यात्रा के दौरान वह फ्रांस, जर्मनी, इटली, डेनमार्क, पोलैंड, नीदरलैंड, चेक गणराज्य जैसे देशों के नेताओं से मिलेंगे, साथ ही नाटो महासचिव, यूरोपी परिषद के प्रमुख और यूरोपी आयोग के अध्यक्ष से भी मुलाकात करेंगे।

फ्रांस के साथ एक और ब्रिगेड तैयार करने पर सहमति

जेलेंस्की ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों से भी मुलाकात, जिसमें उन्होंने यूक्रेन की वायु रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने पर चर्चा की। इस बैठक के बाद जेलेंस्की ने कहा, श्मेरी फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों के साथ एक उत्पादक बैठक हुई। हमने यूक्रेन की स्थिति को और मजबूत करने के लिए प्राथमिकताओं पर विस्तार से चर्चा की, जिसमें वायु रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने पर फोकस किया गया। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने यूक्रेनी सेना के लिए एक ब्रिगेड तैयार करने के लिए फ्रांस की सराहना की और कहा कि दोनों नेता सहयोग को जारी रखने पर सहमत हुए हैं और एक और ब्रिगेड तैयार करेंगे।'

इस्राइल ने यमन पर किया हवाई हमला, नौ लोगों की मौत

बिजलीघर और तेल ठिकानों को बनाया निशाना

इस्राइल ने हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले यमन पर हवाई हमला किया है। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक हमले में नौ लोगों की मौत हो गई। बताया जाता है कि इस्राइल ने बिजलीघरों, लाल सागर स्थित रास इसा तेल टर्मिनल और सलीफ बंदरगाह को निशाना बनाया। हमले में सलीफ बंदरगाह पर सात और तेल टर्मिनल पर दो लोगों की मौत हुई। इससे पहले यमन ने मध्य इस्राइल पर हूती मिसाइल से हमला किया था। जिसे इस्राइल ने रोक लिया था। टाइम्स ऑफ इस्राइल के मुताबिक इस्राइली सेना ने यमन में हमले की पुष्टि की। इस्राइली सेना ने कहा कि उसके लड़ाकू विमानों ने हूती विद्रोही समूह की ओर से बार-बार किए जा रहे हमलों का जवाब दिया है। सेना के मुताबिक हूती ठिकानों पर इस्राइल की वायु सेना ने दो चरणों में हमले किए। इसमें इस्राइल वायु सेना के 14 लड़ाकू विमान शामिल थे। सेना ने बताया कि सबसे पहले हमले में लाल सागर स्थित रास इसा तेल टर्मिनल और सलीफ बंदरगाह को निशाना बनाया गया। इस हमले में बंदरगाह में जहाजों को लाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली आठ बोट नष्ट हो गईं। इसके बाद दूसरी बार राजधानी सना में दो बिजली स्टेशनों को निशाना बनाया गया। आईडीएफ के मुख्य प्रवक्ता डैनियल हगारी ने कहा कि हमले में उन जगहों को निशाना बनाया गया जिनका उपयोग हूती अपने सैन्य अभियान के लिए करते हैं। लाल सागर में अंतरराष्ट्रीय जहाजों प हूतियों के हमले वैश्विक खतरा बन गए हैं। हूतियों के पीछे कौन है? सीधी बात है कि ईरान। ईरान की शह और फंडिंग के चलते हूती विद्रोही लगातार इस्राइल पर हमला कर रहे हैं। आईडीएफ इस्राइल के नागरिकों को खतरा पहुंचाने वाले किसी भी व्यक्ति पर कार्रवाई करने और उस पर किसी भी दूरी से हमला करने की ताकत रखता है। वहीं इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने हूती नेताओं को चेतावनी जारी की। उन्होंने कहा कि इस्राइल की लंबी भुजाएं आप तक पहुंचेंगी। जो कोई भी हाथ उठाएगा, उसका हाथ काट दिया जाएगा। जो हमें मारेगा, उस पर कई बार वार किया जाएगा।

संक्षिप्त

कई साझा मुद्दों पर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में प्रमुख साझेदार रहा है भारत : अमेरिका

वासिंग्टन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के दौरान भारत कई साझा मुद्दों पर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका का प्रमुख साझेदार रहा

है। विदेश मंत्रालय के प्रधान उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने संवाददाताओं से कहा, ''बाइडन प्रशासन के दौरान भारत अनेक साझा मुद्दों पर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में प्रमुख साझेदार रहा है।'' भारत-अमेरिका संबंधों पर एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ''हम इस प्रशासन के शेष कार्यकाल में भी उनके साथ काम करने के लिए तत्पर हैं।

पाक सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में 11 आतंकवादियों को ढेर किया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने अशांत उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में तीन अलग-अलग अभियानों में 11 आतंकवादियों को ढेर किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान सशस्त्र बलों की मीडिया शाखा 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' (आईएसपीआर) के अनुसार ये अभियान 17 और 18 दिसंबर को प्रांत के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित किए गए। क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद टैंक जिले में पहला अभियान प्रारंभ किया गया जिसमें सात आतंकवादी गए। दूसरा अभियान उत्तरी वजीरिस्तान जिले के दत्ता खेल में प्रारंभ किया गया, जहां दो आतंकवादी मारे गए। मोहमंद जिले में दो और आतंकवादी मारे गए। मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। 'सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज' (सीआरएसएस) की ओर से जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, 2024 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में पाकिस्तान में आतंकवादी हिंसा में लोगों के मारे जाने और आतंकवाद रोधी अभियानों में बड़ी संख्या में आतंकवादियों के मारे जाने की घटनाएं हुईं। इस अवधि के दौरान दर्ज 328 घटनाओं में कुल 722 लोग मारे गए जिनमें नागरिक, सुरक्षाकर्मी और अपराधी शामिल हैं जबकि 615 अन्य घायल हुए।

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने सीरिया के 'बफर जोन' का दौरा किया

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू ने मंगलवार को सीरिया से लगे 'बफर जोन' का दौरा किया। नेतन्याहू, सीरिया में बशर अल-असद की सरकार के बेदखल होने के बाद

पिछले कुछ दिनों में इजराइल द्वारा कब्जा किए गए 'बफर जोन' में सुरक्षा संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। इजराइल के किसी नेता ने सीरियाई क्षेत्र में पहली बार प्रवेश किया है।

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा रहा भारत की टेंशन! विदेश मंत्री एस जयशंकर ने की विदेश मंत्री गिदोन सार से बात

गाजा में इजरायल और हमास के बीच संभावित युद्धविराम समझौते के संकेतों के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने इजरायली समकक्ष गिदोन सार से फोन पर बातचीत की। दोनों पक्षों के बीच कई महीनों की बातचीत में गतिरोध के बाद प्रस्तावित युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के समझौते के लिए पिछले कुछ दिनों में राजनयिक व्यस्तताओं की बाढ़ आ गई है। गाजा में कथित तौर पर लगभग 95 बंधक हमास की हिरासत में हैं। आज इज़राइल के विदेश मंत्री गिदोन साश्र से बात करके खुशी हुई। क्षेत्र में चल रहे विकास पर उनकी ब्रीफिंग की सराहना करें। जयशंकर ने एक्स पर कहा कि हमारे द्विपक्षीय संबंधों और उन्हें मजबूत करने के प्रयासों पर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत रूप से मुलाकात के लिए उत्सुक हूं। समझा जाता है कि दोनों विदेश मंत्रियों ने 11 दिन पहले राष्ट्रपति बशर असद के शासन के पतन के बाद सीरिया की स्थिति पर भी चर्चा की। विद्रोही बलों ने कई अन्य प्रमुख शहरों और कस्बों पर कब्जा करने के बाद 8 दिसंबर को असद की सत्तावादी सरकार को उखाड़ फेंका। विद्रोही समूह हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) द्वारा दमिश्क पर कब्ज़ा करने के बाद असद रूस भाग गए, जिससे उनके परिवार के 50 साल के शासन का अंत हो गया। अपनी प्रतिक्रिया में, भारत ने उस देश में शांतिपूर्ण और समावेशी सीरियाई नेतृत्व वाली राजनीतिक प्रक्रिया की वकालत की। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने 9 दिसंबर को कहा कि हम सभी पक्षों को सीरिया की एकता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को संरक्षित करने की दिशा में काम करने की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

सालों तक घर में सामूहिक दुष्कर्म का शिकार हुई महिला को मिला न्याय, अदालत ने पति को सुनाई 20 साल की सजा

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में सालों तक अपने घर में ही सामूहिक दुष्कर्म का शिकार हुई महिला को न्याय मिला है। फ्रांस की अदालत ने महिला के पति को सामूहिक दुष्कर्म का दोषी माना है। फ्रांस के एविग्रन की अदालत में मुख्य न्यायाधीश रोजर अराता ने महिला के पति डोमिनिक पेलीकोट के खिलाफ फैसला सुनाया। अदालत ने महिला के पति को 20 साल की सजा सुनाई है। 71 वर्षीय गिसेल पेलीकोट को साल 2020 में पता चला कि उनके पति ने ही वर्षों तक गोपनीय तरीके से कई अन्य लोगों के साथ मिलकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। आरोपी पति गिसेल को बेहोशी की दवाई देकर सुला देता था और फिर कई लोगों के साथ उसका शारीरिक शोषण करता रहा। इसका खुलासा होने के बाद गिसेल ने अपने साथ हुए अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाई और पति से तलाक ले लिया। इसके बाद पति के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर मुकदमा दायर किया। मुकदमे में 51 अन्य व्यक्तियों के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की गई। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग गिसेल के पक्ष में उतर आए। अदालत में सुनवाई के दौरान महिला के पति डोमिनिक पेलीकोट ने जुर्म कबूला। उसने कहा कि उसने सालों तक पत्नी को नशीले पदार्थों का सेवन कराया और बेहोश किया। इसके बाद उसने और अन्य लोगों ने पत्नी के साथ दुष्कर्म किया और इसके वीडियो भी बनाए। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजकों ने मांग की कि डोमिनिक को कम से कम 20 साल की सजा सुनाई जाए। जबकि अन्य को 10 से 18 साल की सजा हो। पांच न्यायाधीशों की पीठ ने गुप्त मतदान के जरिये अपना निर्णय दिया। गिसेल पेलीकोट का जन्म 1952 को जर्मनी में हुआ था और जब वह पांच साल की थी, तभी वह अपने परिवार के साथ फ्रांस आ गईं थी।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों को लेकर अमेरिकी सांसद का हल्लाबोल, कहा- यूनुस सरकार नाकाम; कार्रवाई की जाए

वॉशिंगटन। अमेरिका के सांसद श्री थानेदार ने बांग्लादेश में मानवाधिकार उल्लंघन के मामलों पर चिंता जताई। उन्होंने अपने वित्त मंत्रालय और विदेश मंत्रालय से मांग की कि ढाका में अल्पसंख्यकों के खिलाफ जघन्य अपराध करने वालों पर प्रतिबंध लगाए जाएं। श्री थानेदार ने कहा, मैं अमेरिका के वित्त मंत्रालय और विदेश मंत्रालय से अपील करता हूं कि वे बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ जघन्य कृत्यों को अंजाम देने वालों पर प्रतिबंध लगाएं। भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने यह बात बुधवार दोपहर यूएस कैपिटल के बाहर कही, जहां देश के विभिन्न हिस्सों से हिंदू अमेरिकी पहुंचे हुए थे। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में जुलाई से राजनीतिक हिंसा बढ़ी है, जिसके कारण पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से इस्तीफा देना पड़ा और देश छोड़ना पड़ा। इसके बाद हमने देखा कि बांग्लादेश राजनीतिक उथल-पुथल में फंस गया है और वहां के हिंदू, बौद्ध और ईसाई अल्पसंख्यक समुदायों को बहुसंख्यक मुसलमान निशाना बना रहे हैं, जिसमें उनके पूजा स्थल भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार ने शांति और स्थिरता हासिल करने की कोशिश की है। लेकिन मुझे इस नई अंतरिम सरकार को लेकर कुछ चिंताएं हैं। मुझे उम्मीद है कि हमारी मदद से बांग्लादेश इन संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान ढूंढेगा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।